उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः11 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 13 अप्रैल-2026

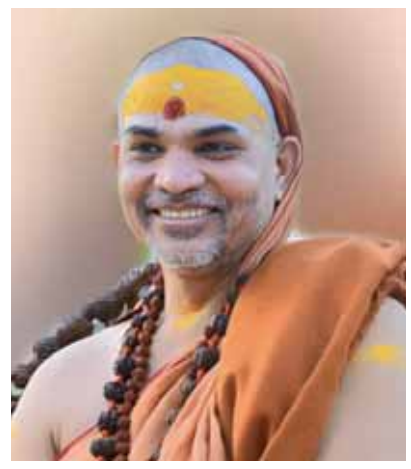

अंदर के पृष्ठ पर

डीएम ने एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों की री-पैकिंग पर सख्ती व 'सेफ फूड' अभियान चलाने के दिए निर्देश 8

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को मिली जान से मारने की धमकी, अनुयायियों में हड़कंप 5

मशहूर गायिका आशा भोंसले का निधन, संगीत जगत में शोक की लहर

मुंबई।अपनी अनूठी आवाज से हिंदी पार्श्व गायन में अलग मुकाम हासिल करने वाली दिग्गज गायिका आशा भोसले का रविवार को निधन हो गया। वह 92 वर्ष की थीं। उन्होंने अपनी बहन तथा महान गायिका लता मंगेशकर की छाया में रहकर अपनी अलग पहचान बनाई थी।

भोसले को शनिवार शाम सीने में संक्रमण और कमजोरी के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी पोती जनाई भोसले ने यह जानकारी दी थी। आशा का विवाह 16 वर्ष की आयु में 1949 में गणपतराव भोसले से हुआ था और बाद में उन्होंने अपने सहयोगी एवं संगीतकार आर डी बर्मन से विवाह किया।उनके परिवार में बेटे आनंद और पोते-पोतियां हैं। उनके बेटे आनंद ने बताया कि अंतिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा,लोग कल पूर्वाह्न 11 बजे लोअर परेल स्थित कासा ग्रांडे में उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दे सकते हैं, जहां वह रहती थीं। उनका अंतिम संस्कार कल शाम चार बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा।

आशा ने चैन से हम को कभी में खोए हुए प्यार का शोक मनाने के साथ ही आजा, आजा पर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया था और उनकी बहन लता ने सात दशकों तक हिंदी पार्श्व गायन की दुनिया पर राज किया।

बॉलीवुड में महिला मुख्य किरदारों के लिए रिकॉर्ड किए गए लगभग हर फिल्मी गाने में मंगेशकर बहनों की आवाज होती थी। लता मंगेशकर का फरवरी 2022 में 92 वर्ष की आयु में निधन हुआ था। आठ दशकों से अधिक लंबे करियर में आशा ने अविश्वसनीय रूप से 12,000 गाने रिकॉर्ड किए। उनका पहला गाना 1943 में 10 वर्ष की आयु में मराठी फिल्म माझा बल के लिए था।

उन्होंने 2010 के दशक के अंत तक और उसके बाद भी गायन जारी रखा, जिससे वह वैश्विक संगीत इतिहास में सबसे लंबे समय तक गायन करने वाली गायिका बन गईं। आशा भोसले की आवाज 80 वर्ष की उम्र में भी स्थिर और ताज़गी भरी बनी रही।

लता मंगेशकर गीतों को आवाज देने के लिए संगीतकार मदन मोहन की पहली पसंद थीं, जिन्हें मधुर संगीत और ग़ज़लों का उस्ताद माना जाता है, वहीं आशा भोसले भी इस शैली में उतनी ही निपुण थीं। फिल्म उमराव जान की उनकी ग़ज़लें आज भी याद की जाती हैं, जिसके लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला था।

पीएम मोदी का टीएमसी पर तीखा वार, कहा

तृणमूल ने टुकड़े-टुकड़े गिरोह का किया समर्थन

बीपीएस न्यूज

सिलीगुड़ी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि टुकड़े-टुकड़े गिरोह ने पूर्वोत्तर को देश के शेष भाग से अलग करने के लिए रणनीतिक सिलीगुड़ी कॉरिडोर को काटने की धमकी दी थी, और तृणमूल कांग्रेस ने अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के कारण सड़कों से लेकर संसद तक उन्हें समर्थन दिया।पश्चिम बंगाल के उत्तरी शहर सिलीगुड़ी के कावाखाली मैदान में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने तृणमूल कांग्रेस को आदिवासी विरोधी, महिला विरोधी और युवा विरोधी पार्टी÷ बताया, जिसकी तुष्टिकरण की राजनीति ने राज्य को बदहाल कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया, देश में टुकड़े-टुकड़े गिरोह सक्रिय है, जिसने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को काटने की धमकी दी। वे पूर्वोत्तर को देश से अलग करना चाहते हैं। तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त तृणमूल कांग्रेस, सड़कों से लेकर संसद तक ऐसे लोगों का समर्थन करती है। यही तृणमूल का असली चेहरा है।

इसे देश का रक्षा और समृद्धि का गलियारा बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार इस क्षेत्र को बड़े पैमाने पर मजबूत और विकसित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। उन्होंने सिक्किम को सिलीगुड़ी से जोड़ने वाली निर्माणाधीन सेवोकङ्गरंगपो रेल लाइन का उदाहरण देते हुए इस विकास कार्य का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, यह परियोजना न केवल बंगाल और सिक्किम के बीच रेल संपर्क सुनिश्चित करेगी, बल्कि यह क्षेत्र में व्यापार और पर्यटन को भी मजबूत करेगी, जिसका सीधा लाभ दार्जिलिंग के युवाओं को मिलेगा।मोदी ने लोगों से डबल इंजन सरकार के लिए वोट देने का आग्रह करते हुए कहा कि बंगाल में विकास की गति दोगुनी हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि तृणमूल सरकार ने मदरसों के विकास के लिए 6,000 करोड़ रुपये आवंटित किए, लेकिन पूरे उत्तर बंगाल के लिए अपर्याप्त धनराशि आवंटित की गई। मोदी ने कहा, बंगाल की जनता अब तृणमूल से पिछले 15 वर्षों में सत्ता में बिताए हर पल का जवाब मांग रही है।

उन्होंने कहा कि जब भाजपा सत्ता में आएगी, तो वह ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी को उसके कुकर्मों का हिसाब चुकाने के लिए मजबूर करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल ने अपने 15 साल के कार्यकाल में राज्य को बर्बाद कर दिया और केंद्र सरकार की योजनाओं का कार्यान्वयन रोक दिया, जिसके परिणामस्वरूप 25 प्रतिशत से भी कम काम पूरा हुआ है। ममता बनर्जी सरकार को निर्मम बताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य की जनता तृणमूल के भय के शासन÷ से तंग आ चुकी है।उन्होंने तृणमूल सरकार पर उत्तर बंगाल के चाय बागानों पर कहर बरपाने का आरोप लगाया। तृणमूल को उत्तर बंगाल विरोधी और चाय बागान विरोधी पार्टी बताते हुए, मोदी ने आरोप लगाया कि पार्टी की ÷तुष्टिकरण नीतियों÷ के कारण हो रहे अनियंत्रित अवैध प्रवेश से इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जनसांख्यिकीय परिवर्तन हो रहे हैं। उन्होंने भाजपा के चुनाव चिह्न का जिक्र करते हुए कहा, ÷अगर घुसपैठ के खतरे को तुरंत नहीं रोका गया, तो बहुत देर हो जाएगी। कमल खिलाओ, घुसपैठियों को भगाओ।

मोदी ने कहा कि बंगाल की जनता में दिख रहे जोश ने उन्हें आश्वस्त कर दिया है कि आगामी चुनावों में तृणमूल की हार निश्चित है। राज्य में दो चरण में मतदान होगा। सिलीगुड़ी में पहले चरण में 23 अप्रैल को मतदान होगा। दूसरा चरण 29 अप्रैल को होगा और मतगणना चार मई को होगी।

3 जुलाई से शुरू होगी पवित्र यात्रा, 28 अगस्त को समापन, रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से

बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर पहली पूजा 29 जून को, श्रद्धालुओं के लिए 15 अप्रैल से ऑनलाइन और ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू। श्री अमरनाथ यात्रा की तिथियों की घोषणा कर दी गई है। इस वर्ष यह पवित्र यात्रा 3 जुलाई 2026 से शुरू होकर 28 अगस्त 2026 (रक्षा बंधन) तक चलेगी। कुल मिलाकर यात्रा की अवधि 57 दिनों की होगी। यह जानकारी उपराज्यपाल जम्मू-कश्मीर के ऑफिस ने एक्स पर पोस्ट कर दी।

यात्रा से पहले ज्येष्ठ पूर्णिमा (29 जून 2026) को पहली पूजा की जाएगी, जिसे यात्रा की औपचारिक शुरुआत का संकेत माना जाता है। श्रद्धालुओं के लिए यात्रा का

एडवांस रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल 2026 से शुरू होगा। यह प्रक्रिया ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध रहेगी।

बता दें, अमरनाथ गुफा में स्थित प्राकृतिक हिमलिंग (बर्फ से बना शिवलिंग) भगवान शिव का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि यहीं भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य (अमर कथा) सुनाया था। हर साल लाखों श्रद्धालु कठिन पहाड़ी रास्तों से गुजरते हुए इस गुफा तक पहुंचते हैं और बाबा बर्फानी के दर्शन करते हैं। यह यात्रा आस्था, तपस्या और भक्ति का प्रतीक मानी जाती है।

भारत में ईंधन की किल्लत नहीं-सरकार का बड़ा दावा- पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद भरे हैं भंडार

- फुल स्पीड में रिफाइनरियां, स्टॉक भी पर्याप्त- सरकार
- आम जनता को राहत देने के लिए कर में कटौती!
- रसोई गैस और केरोसिन पर खास ध्यान

बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, लेकिन भारत सरकार ने देश में ईंधन की आपूर्ति को स्थिर बनाए रखा है। पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाने, निर्यात पर लेवी बढ़ाने और रिफाइनरियों की क्षमता बढ़ाने जैसे फैसलों से घरेलू कीमतों को बढ़ने से रोका गया है। साथ ही, समुद्र में फंसे भारतीय नाविकों को सुरक्षित निकालने के प्रयास भी जारी हैं। दुनिया भर में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी अस्थाई संकट के बीच भारत सरकार ने आम जनता को बड़ी राहत दी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, देश की सभी तेल रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं। सरकार के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। साथ ही, पेट्रोल और डीजल का भंडार भी इतना है कि बाजार में किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में असामान्य उछाल के बावजूद सरकार ने घरेलू बाजार में तेल की कीमतों को स्थिर रखा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल महंगा होने का असर सीधे जनता की जेब पर न पड़े, इसके लिए भारत सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली उत्पाद शुल्क यानी कि एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती कर दी है। इसके अलावा, घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्यात पर सख्ती बढ़ा दी गई है। 11 अप्रैल 2026 को जारी अधिसूचना के मुताबिक, डीजल के निर्यात पर लेवी बढ़ाकर 55.50 रुपये और हवाई ईंधन पर 42 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।

सरकार के मुताबिक, आम घरों की जरूरतों को देखते हुए रिफाइनरियों से एलपीजी का उत्पादन बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियमित कोटे से अलग 48,000 किलोलीटर केरोसिन का अतिरिक्त आवंटन किया गया है। दवा, खाद्य वितरण और रसायन जैसे महत्वपूर्ण उद्योगों को भी रोजाना 800 मीट्रिक टन सी3 और सी4 स्ट्रीम की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

हरिद्वार में टली अनहोनी: गंगा में बढ़े जलस्तर से फंसे 21 लोग, 10 पुरुष, सात महिला और चार बच्चों का रेस्क्यू

बीपीएस न्यूज

हरिद्वार। सभी लोग दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के निवासी हैं। राहत की बात यह रही कि इस पूरी घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि गंगा में स्नान करते समय जलस्तर और बहाव का विशेष ध्यान रखें। नदी के बीच बने टापू या गहरे स्थानों पर जाने से बचें।गंगा में अचानक जलस्तर बढ़ने से रविवार को सप्तऋषि घाट और कबीर कुटीर क्षेत्र में टापू पर फंसे लोगों को प्रशासन और पुलिस की तत्परता से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। संयुक्त रेस्क्यू अभियान में कुल 21 लोगों को सकुशल बचा लिया गया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई।जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत के अनुसार सुबह करीब 10:40 बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि सप्तऋषि घाट पर गंगा का जलस्तर अचानक बढ़ने से कई लोग फंस गए हैं। सूचना मिलते ही जल पुलिस, पीएसी, फ्लड कंपनी और आपदा प्रबंधन टीम को तत्काल मौके पर भेजा गया। टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वहां फंसे 21 लोगों का सफल रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

इसी दौरान कबीर कुटीर घाट, सप्तऋषि क्षेत्र में भी गंगा के बीच बने टापू पर स्नान कर रहे श्रद्धालु अचानक जलस्तर बढ़ने से फंस गए। तेज बहाव के कारण लोग टापू से बाहर नहीं निकल सके। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज सप्तऋषि अपनी टीम, चेतक कर्मियों और जल

पुलिस के साथ बोट एवं राहत उपकरणों के जरिए मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

इस अभियान में टापू पर फंसे 10 पुरुष, 7 महिलाएं और 4 बच्चे को सुरक्षित किनारे पर लाया गया। सभी लोग दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के निवासी हैं। राहत की बात यह रही कि इस पूरी घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि गंगा में स्नान करते समय जलस्तर और बहाव का विशेष ध्यान रखें। नदी के बीच बने टापू या गहरे स्थानों पर जाने से बचें।

पोते की मौत का सदमा झेल नहीं सकी दादी, फांसी लगाकर दी जान, परिवार में मचा कोहराम

बीपीएस न्यूज

बीसलपुर। सप्ताह भर पहले सड़क हादसे में पौत्र की मौत हुई। इस अवसाद में दादी ने भी आत्मघाती कदम उठाते हुए अपनी जीवनलीला समाप्त कर दी। कुछ ही दूरी पर स्थित अपने खाली पड़े दूसरे मकान में जाकर फंदे से लटककर जान दे दी। परिवार वाले तलाशते हुए दूसरे मकान में पहुंचे तो फंदे से लटकता शव देख होश उड़ गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने जानकारी की। जिसमें परिजन ने पौत्र की मौत के बाद अवसाद में आकर खुदकुशी करने की आशंका जताई। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम कराने से परिवार ने इनकार कर दिया। घटना के बाद चीख पुकार मची रही।घटना बीसलपुर क्षेत्र के मोहल्ला दुबे की है। यहां की रहने वाली 58 वर्षीय श्यामकली पत्नी शालिगराम के 18 वर्षीय पौत्र हर्षित राठौर पुत्र सुनील पांच अप्रैल को घरेलू काम से अपने मित्र हर्ष के साथ पीलीभीत गया था। वहां से वापस आते वक्त ग्राम जिरौनिया के नजदीक पहुंचते ही अज्ञात वाहन की टक्कर से हर्षित की मौत हो गई थी, जबकि उसका मित्र हर्ष घायल हो गया था। पौत्र की मौत के बाद से ही बताते हैं कि दादी श्यामकली अवसाद में थी। वह पौत्र हर्षित को याद कर रोती रहती थी। इसी बीच रविवार को उन्होंने खुद की जीवनलीला समाप्त करने की ठान ली।

बताते हैं कि दोपहर करीब 12 बजे श्यामकली 58 पड़ोस में खाली पड़े दूसरे मकान में चली गई। इसके बाद वहीं, कुंडे के सहारे रस्सी के बने फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। उनका पुत्र सुनील घर पहुंचा और जब मां श्यामकली कहीं दिखाई नहीं दी तो उनके बारे में अन्य परिवार के सदस्यों से जानकारी की। इस पर परिवार वाले उनको तलाशने में जुट गए। जब परिजन पड़ोस में मौजूद दूसरे मकान में पहुंचते तो वृद्धा का फंदे से लटका शव देख होश उड़ गए। चीख पुकार मच गई।

इस पर आसपास के तमाम लोग भी जमा हो गए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। शव को फंदे से उतारा गया। पौत्र की मौत के अवसाद में ही दादी के खुदकुशी करने की आशंका जताई गई। पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि परिजन शव का पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते थे। ऐसे में पंचनामा भरकर शव उनके सुपुर्द कर दिया गया है।

यूपी में 49 बस स्टेशनों का होगा काया-कल्प, योगी सरकार से फेज-2 परियोजना को मिली मंजूरी

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने फेज-2 के तहत 49 बस स्टेशनों के पुनर्विकास को मंजूरी दे दी है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर लागू की जाएगी।

दयाशंकर सिंह ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न प्रमुख जनपदों में स्थित बस स्टेशनों को आधुनिक, विश्वस्तरीय और बहुउद्देश्यीय बस टर्मिनल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी और पारदर्शी तरीके से डेवलपर्स का चयन किया जाएगा।

परियोजना के तहत बनने वाले बस टर्मिनलों में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें स्वच्छता, सुरक्षा, डिजिटल सूचना प्रणाली, सुव्यवस्थित पार्किंग, वाणिज्यिक परिसर और अन्य सहायक सेवाएं शामिल होंगी।

साथ ही स्मार्ट और टिकाऊ (सस्टेनेबल) अवसंरचना विकसित की जाएगी। परिवहन मंत्री ने कहा कि यह परियोजना न केवल यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराएगी, बल्कि रोजगार सृजन, आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि और शहरी विकास को भी गति देगी।

उन्होंने बताया कि यह परियोजना डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ऑपरेट और ट्रांसफर मॉडल पर आधारित होगी। इसमें राज्य सरकार या परिवहन निगम पर कोई प्रत्यक्ष पूंजीगत व्यय नहीं आएगा, बल्कि निजी निवेश के माध्यम से परियोजना को विकसित किया जाएगा।

भूमि का स्वामित्व निगम के पास रहेगा, जबकि विकास और संचालन का अधिकार कंसेशनायर को दिया जाएगा। दयाशंकर सिंह ने बताया कि फेज-2 के लिए बिड डॉक्यूमेंट को केंद्र सरकार के नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिससे निवेशकों के लिए प्रतिस्पर्धात्मक और आकर्षक माहौल बनेगा।

छपार में फ्लाईओवर से गिरी कार, तीन युवकों की मौत, दो लोग गंभीर रूप से घायल

मुजफ्फरनगर ।पानीपत-खटीमा मार्ग पर तेज रफ्तार क्रेटा कार फ्लाईओवर से नीचे गिरी। हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, दो गंभीर घायल हो गए।पानीपत-खटीमा मार्ग पर सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार क्रेटा कार फ्लाईओवर से नीचे गिर गई, जिससे पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

यह दुर्घटना छपार के अंतर्गत फ्लाईओवर के पास घुमाव पर हुई। कार में सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। उपचार के दौरान गुरुग्राम निवासी सागर, हिमांशु और यश की मृत्यु हो गई। दो अन्य घायल युवक वरुण और सुशांत को मेरठ के हायर सेंटर रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को अम्बेडकर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादक

(बी.पी.साहू)

मो-8423454502,

व्हाट्सअप-9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

अपनी बात....

संपादकीय ....

कोई भी भेदभाव धर्म के मर्म के विरुद्ध

यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी, जिसे ज्ञान की सदी भी कहा जाता है, में किसी व्यक्ति के धार्मिक स्थल विशेष जाने पर वर्ग या लिंगभेद के आधार पर रोक लगे। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया कि मंदिरों व मठों में प्रवेश में भेदभाव धर्म के लिये अच्छा नहीं है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। देश की शीर्ष अदालत का मानना था कि मंदिरों और मठों में जाने का अधिकार हर व्यक्ति को मिलना चाहिए। अदालत ने चिंता जतायी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो समाज में विभाजन को बढ़ावा मिलेगा। जिसका धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सात कानूनी सवालों पर विचार कर रही है। जिसमें केरल के बहुचर्चित सबरीमाला मंदिर में दस से पचास साल की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का मुद्दा भी शामिल है। दरअसल, केरल के कई संगठनों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित अधिवक्ता ने दलील दी थी कि संप्रदाय विशेष का मंदिर, इस मामले में प्रवेश की अनुमति और पूजापाठ की इजाजत एक संप्रदाय विशेष तक सीमित रख सकता है। इस प्रसंग में पीठ की न्यायाधीश बीवी नागरत्ना ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मंदिर और मठ में प्रवेश का अधिकार मिलना चाहिए। किसी को रोका जाना हिंदू धर्म के लिए अच्छी परंपरा नहीं है। दूसरे शब्दों में इसका धर्म पर बुरा असर नहीं पड़ना चाहिए। निश्चित रूप से देशकाल व परिस्थितियों के अनुसार देश के कानून व संविधान में भी परिवर्तन किए गए हैं। ऐसा में आस्था स्थलों से जुड़ी मान्यताओं व परंपराओं पर भी तर्कशील ढंग से विचार किया जाना जरूरी है। यह किसी भी समाज में समतामूलक सोच के विस्तार के लिये अपरिहार्य शर्त होनी चाहिए। इस दिशा में उदार सोच समय की जरूरत है।

इसमें दो राय नहीं कि हमारे धार्मिक स्थल हमारी आध्यात्मिक दृष्टि को समृद्ध करने में अहम भूमिका निभाते हैं। धार्मिक होने का मतलब है ममता-समता और लोककल्याण से जुड़ी व्यापक दृष्टि का होना। श्रद्धालु किसी भी धार्मिक स्थल में मन की शांति और सुकून के लिये जाते हैं। इस बात से सहमत नहीं हुआ जा सकता है कि पूजा पद्धति व धार्मिक स्थल में प्रवेश रोकने पर हमारे आराध्य प्रसन्न होंगे। पौराणिक प्रसंगों में ऐसे उदाहरण नहीं मिलते हैं जब धरती पर अवतार लेने वाले देवताओं ने किसी वंचित समाज के व्यक्ति और महिलाओं को लेकर किसी तरह के भेदभाव को प्रश्रय दिया हो। छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब व महिला व पुरुष का भेद कभी उनके कालखंड में सामने नहीं आया। इसके बावजूद देशकाल परिस्थितियों में तथा तार्किकता के अभाव में यदि किसी तरह भेदभाव कतिपय कारणों से सामने आया भी हो, तो वक्त का तकाजा यही है कि उन्हें समय के अनुकूल ढाला जाए। आस्था के नजरिये से बात करें तो भी ईश्वर ने अपनी किसी भी रचना को लेकर कभी किसी तरह का भेदभाव नहीं किया। तो फिर उसके रचे इंसानों को किसी तरह के भेदभाव की अनुमति कैसे दी जा सकती थी। बहुत संभव है कि किसी समय में शुचिता को लेकर परंपरागत सोच रही हो। लेकिन आज विज्ञान ने कई प्राचीन धारणाओं व रूढ़ियों को बदलकर नई दृष्टि दी है। चंद्रमा हजारों साल से मानवीय आस्था का प्रतीक रहा है। हिंदू, मुस्लिम व अन्य धर्म किसी न किसी रूप में चंद्रमा को गहन आस्था के केंद्र के रूप में देखते रहे हैं। 19वीं सदी में कौन सोच सकता है कि तमाम धर्मों में पूज्य चांद पर कभी इंसान भी कदम रख सकता है।

शांति समझौते के लिए पर्दे के पीछे तुर्किये-चीन

सुधाकर मिश्रा

खाड़ी युद्ध टालने के लिए युद्धरत देशों को समझौता वार्ता की टेबल तक पहुंचाने का श्रेय पाक लेने की कोशिश में है।?लेकिन हकीकत यह है कि इतनी ज़बरदस्त नेटवर्किंग अकेले पाक लीडरशिप के बस की नहीं थी। खाड़ी युद्ध टालने के लिए युद्धरत देशों को समझौता वार्ता की टेबल तक पहुंचाने का श्रेय पाक लेने की कोशिश में है।?लेकिन हकीकत यह है कि इतनी ज़बरदस्त नेटवर्किंग अकेले पाक लीडरशिप के बस की नहीं थी। इस शांति प्रयासों में चीन, तुर्किये, अरब देशों तथा यूरोपीय नेताओं की बड़ी भूमिका रही है।?पाकिस्तान ने शांति समझौते का एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म मुहैया कराया है, जिसमें तीनों पक्ष विजयी भाव से सीना ताने दुनिया के समक्ष खड़े हैं। बुधवार रात नेतन्याहू ने कहा, 'काम अभी अधूरा है, अभी और भी लक्ष्य पूरे करने हैं, हम उन्हें हासिल करेंगे–चाहे समझौते से, या फिर से लड़ाई शुरू करके। हमारी उंगली ट्रिगर पर है।' ईरान ने भी विजयी भाव से कहा कि हमारी भी उंगलियां ट्रिगर पर है, कभी भी दबा देंगे। दुनिया यही मान रही है कि 39 दिनों से चल रहा युद्ध खत्म हो गया। लेकिन, फ़िक्र अभी बाक़ी है। शांति समझौते से अलग, एक और चौगुटा बैठक तुर्किये, सऊदी अरब, पाकिस्तान और मिस्र के विदेशमंत्री कर रहे हैं।

पाकिस्तान ने कैसे वाशिंगटन और तेहरान का भरोसा जीता? पाक पावर कॉरिडोर के लोग बताते हैं, 'ईरान पर पहले हमले हुए, तो विदेश मंत्री इशाक डार, जो उप-प्रधानमंत्री भी हैं, सऊदी अरब में थे, और 'ऑर्गेनाइज़ेशन ऑफ़ इस्लामिक कोऑपरेशन' की एक बैठक में हिस्सा ले रहे थे। डार ने अराघची को फ़ोन करके अपनी एकजुटता ज़ाहिर की।' इस्लामाबाद स्थित सनोबर इंस्टिट्यूट के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कमर चीमा ने बताया, 'जब पाकिस्तान ने अमेरिकी हमलों की निंदा की, तो उसी पल उसने ईरानियों का भी दिल जीत लिया। पाकिस्तान ने जैसे स्वीकार किया, कि अमेरिकी हस्तक्षेप के बाद हमने भारत से युद्ध रोक लिया, ट्रंप हम पर फ़िदा हो गए।'सर्वोच्च नेता अली ख़ामेनई की हत्या के बाद कराची में 1 मार्च को प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी दूतावास में घुसने की कोशिश की, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। वहां की शिया मुस्लिम आबादी, जो पाकिस्तान की 25 करोड़ की आबादी का 15 से 20 प्रतिशत है, इस पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नज़र रखे हुए थी। जैसे-जैसे सांप्रदायिक तनाव बढ़ा, मुनीर ने शिया धर्मगुरुओं को रावलपिंडी बुलाया, और चेतावनी दी, कि पाकिस्तान के भीतर किसी भी तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यह दीगर है कि शिया इस्माइली मुसलमानों के आध्यात्मिक गुरु प्रिंस रहीम अल-हुसैनी ने भारत-पाकिस्तान के शासन प्रमुखों को मेल किया था, कि वो चाहें तो तेहरान में सुलह का प्रयास कर सकते हैं। प्रिंस रहीम अल-हुसैनी के अलावा तीन और शिया धर्मगुरुओं को तेहरान से विश्वास बहाली के वास्ते एक्टिवेट किया गया। इनमें शिया उलेमा काउंसिल के नेता सैयद साजिद अली नक़वी, दूसरे शिया इमाम अल्लामा नज़ीर अब्बास तकवी, और 'तहरीक-ए-नफ़ाज़-ए-फ़िक़्ह-ए-जाफरिया' के प्रमुख, हुसैन मुक़द्दसी का नाम आया है।बहरहाल, होर्मुज़ जलडमरूमध्य उन शर्तों के साथ फिर से खोलने की कोशिश है, जिनके तहत ईरान और ओमान ट्रांज़िट फ़ीस वसूल सकेंगे। अभी बहुत कुछ तय होना बाक़ी है, जिसमें लेबनान का सवाल भी है। ठीक से देखा जाये, तो इस पूरे शांति प्रयासों में पाकिस्तान प्यादा भर है, असल गोट तुर्किये के राष्ट्रपति रिज़प तय्यिप एर्दोआन, चीनी राष्ट्रपति शी, और यूरोपीय नेता खेल रहे थे। ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर को युद्धविराम के प्रयासों में एक प्रमुख वार्ताकार के रूप में देखा जा रहा है, जो विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।इस्लामाबाद में शुक्रवार को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ औपचारिक बातचीत का नेतृत्व संभवतः उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे, जिनके साथ ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ़ और दामाद जेरेड कुशनर भी होंगे। कुशनर पहले भी ईरान के साथ बातचीत में शामिल रहे थे। 28 फरवरी को शुरू युद्ध में अमेरिका और इस्राइल ने मिलकर ईरान पर हमले किए, जिनमें सुप्रीम लीडर अली खामेनेई समेत कई शीर्ष नेतृत्व वाले मारे गए. ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस युद्ध ने 3500 से ज़्यादा लोगों की जान ले ली है, दुनिया की तेल सप्लाई के लगभग पांचवें हिस्सा अवरुद्ध हो गया। इस बिन बुलाये युद्ध की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था चरमरा चुकी है। अंकारा विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की सहायक प्रोफेसर, बेतुल डोगन-अक्कास ने कहा कि पाकिस्तान के दोनों पक्षों के साथ अच्छे संबंध होने के कारण, वह मध्यस्थ की भूमिका के लिए एक स्वाभाविक पसंद बन गया। यह हफ़्तों की कड़ी कूटनीति का नतीजा है; ऐसी कूटनीति जिसके बारे में बहुत कम लोगों को यकीन था, कि पाकिस्तान कर पाएगा। अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की, कि 22 से 23 मार्च के बीच, मुनीर ने सीधे तौर पर ट्रंप से बात की थी।29 मार्च को, पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुर्किये और मिस्र के विदेश मंत्री इस्लामाबाद में फिर से मिले। बैठक से पहले, शरीफ़ ने पेज़ेश्कियन के साथ लंबी बातचीत की; पांच दिनों में यह उनकी दूसरी बातचीत थी। बातचीत के बाद, डार पेइचिंग गए, जो चीन की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाक़ात की, और दोनों पक्षों ने एक पांच-सूत्री रूपरेखा तैयार की, जिसमें युद्धविराम, शीघ्र बातचीत, नागरिकों की सुरक्षा, होर्मुज़ जलडमरूमध्य के रास्ते जहाज़ सेवाओं की बहाली, और संयुक्त राष्ट्र की बड़ी भूमिका शामिल थी।'जिन नेताओं से संपर्क किया गया, उनमें फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज़, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी शामिल थे। पाकिस्तान की लीडरशिप ने खाड़ी और मुस्लिम जगत के नेताओं से भी बात की, जिनमें कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी, यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन ज़ायेद अल नाहयान और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान शामिल थे। तुर्की ने नाटो के महासचिव मार्क रुटे और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फ़ोन देयर लेयेन से संपर्क किया गया; यह पश्चिमी सहयोगियों के साथ समन्वय को दर्शाता है। अंकारा के सूत्र बताते हैं, 'एर्दोआन ने कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबाह, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, अज़रबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव, इराकी कुर्द क्षेत्रीय सरकार के राष्ट्रपति नेचिरवान बरज़ानी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की, सूडान की संप्रभुता परिषद के प्रमुख अब्देल फत्ताह अल-बुरहान, ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और कज़ाकिस्तान के राष्ट्रपति कसीम-जोमार्ट टोकायेव के साथ भी बातचीत की थी।'इतनी ज़बरदस्त नेटवर्किंग अकेले पाक लीडरशिप के बस की नहीं थी. इस शांति प्रयासों में जितने विश्व नेताओं से संपर्क किये गए, उसका एक और लक्ष्य निर्धारित था, 'जो भी संवाद हो, माइनस मोदी होना चाहिए।' चीनी राष्ट्रपति शी ने भी नहीं चाहा, कि पीएम मोदी से मशविरा किया जाये। सवाल है, पलट चुकी परिस्थितियों में भारत की भूमिका क्या होनी चाहिए? एक ट्रम्प कार्ड है नेतन्याहू। वो चाहें तो पीएम मोदी का नाम भी शांति प्रयासों के वास्ते सुझा सकते हैं। लेकिन, नेतन्याहू ऐसा करेंगे क्या? या फिर भारत, ख़ामोशी से सब कुछ देखता रहे!

एक छोटे प्यादे का बड़ा खेल

पश्चिम बंगाल में राजनीति की घनघोर दुर्दशा

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

जिस हुमायूं कबीर को ममता बनर्जी ने बाहर निकाला, क्या सच में भाजपा ने उसे मस्जिद की नींव रखने में मदद की और सौ करोड़ ऑफर किए ! यह प्रश्न और एक स्टिंग तेजी से वायरल हो रहा जिसकी पुष्टि कोई नहीं कर रहा। हालांकि भाजपा कच्ची गोटियाँ नहीं खेलती और बिना सुरक्षा कवच के मैदान में नहीं उतरती ! अब ज़ब भाजपा का 'हिंदू रक्षक' होने का मुखौटा उतर रहा है तो लोगो को हुमायु कबीर मामले में विश्वास हो रहा ! भाजपा का और तृणमूल का मामला खुल गया तो हुमायूं कबीर से अलग हो गए ओवैसी, क्या यह समझदारी भरा फैसला है या राजनीतिक पैतरेबाजी यह वक्त बताएगा।

मामला नहीं यहां एजेंडा इक्सपोज़ हुआ है या कहे एआई युग में राजनीति की दुर्दशा हुई है। यह भी एक रणनीति है, साथ रहते तो नुकसान नहीं पहुंचा पाते, लोग सवाल पूछते, अब अलग होकर खुद को साफ़ बताएंगे। कल तक इनके मुरीद हुमायूं कबीर के वीडियो को राजनीति प्रेरित बता रहे थे। इनका मामला भी खुलेगा, हुमायूं कबीर तो शुद्ध रूप से इंडिविजुअल अवसरवादी मैन है, ओवैसी थोड़ा ओर्गेनाईज्ड और फुलप्रूफ हैं, मगर हैं मझे खिलाड़ी। सरकार से तमाम मामलों में छूट लेना, कहीं कालेज में फंडिंग कराना, कहीं मुफ्त में ज़मीन अपने कालेज के नाम कराना, कहीं किसी विभाग से एनओसी लेना, कहीं कोई प्लान पास कराना, कहीं कोई सोसायटी का नक्शा पास करवाना, बैंक की सूद वाली स्कीम रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से अप्रूव्ड कराना।

यह पढ़ें लिखे हैं इसलिए सतर्क हैं, हुमायूं कबीर अधीर है जो फंस गया क्या, इक्सपोज़ हो गयाज्ऐसे कौन बोलता है ? ये सब मामला सेट प्लान है। देखिए कि राजनीति में कैसा खेल होता है ? कैसे कैसे टूल इस्तेमाल किए जाते हैं ? इसे समझने के लिए सिर्फ एक पिन प्वाइंट सूत्र है, जो आपके वोट को बिखेरने और काट कर निष्क्रिय करने की कोशिश करे वह ÷हुमायूं कबीर÷ है। दरअसल मुसलमानों के खिलाफ मुसलमानों के ज़रिए ही काम करवाया जा रहा है क्योंकि यह तो खुलेआम घोषणा करके विरोधी हो चुके हैं। इन पर मुसलमान यकीं नहीं करेगा। इसीलिए कहीं राजनीति का गटर, कहीं हुमायूं कबीर, कहीं एक्स मुस्लिम, कहीं सिद्दीकी, कहीं यौन मुर्तद मोहतरमा, कहीं कोई पसमांदा, कहीं कोई शिया, कहीं कोई शेख, कहीं कोई इस्लाम, कहीं कोई नकवी कहीं कोई हुसैन, कहीं कोई इल्मी सब सेट किए हुए है कि मुसलमानों का वोट बिखेरो उनके खिलाफ हो रहे ज़ुल्म को पिछली सरकारों के इतिहास बताकर कुंद करो।

शोर मचवाया गया कि एसआईआर में वोट काटे जा रहे हैं, केवल पश्चिम बंगाल के कुछ सीटों का उदाहरण देखिए जहां हिंदू अधिक है उन्हें वोट तक नही देने दिया जाता। मालदा ज़िला का मानिकचक ═ हिंदू वोटर═ 50.2त्न मुस्लिम वोटर═ 49.4त्न.। जिन वोटरों पर अटैक हुआ अधिकतर हिंदू है। मलदा का अन्य क्षेत्र 97.4त्न मुस्लिम और 2.3त्न हिंदू हैं। मालदा जिले का मोथाबारी ═ हिंदू वोटर═ 30त्न, मुस्लिम वोटर═ 69.5त्न. मुर्शिदाबाद ज़िला का समसरगंज ═ मुस्लिम वोटर 82त्न, हिंदू वोटर═ 18त्न । उधर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कह चुके हैं कि प बंगाल में में जिन जिन लोगों का वोटर लिस्ट में नाम नहीं है उनको मुफ्त अनाज देना बंद कर दिया गया है। अब ड्राईविंग लाईसेंस और अन्य दस्तावेज कैंसल कराए जाएंगे। आसाम में 33 मुस्लिम बहुल सीटों का परिसिमन करके 12 सीटें कम कर दी गई है, अब 21 सीटों पर ही मुस्लिम निर्णायक स्थिति में है।

पैटर्न वही है। यह सब करके सरकार बनाई जाएगी, कहीं सर कलम किया जाएगा, कहीं माबलिंचिंग होगी, कहीं मुख्यमंत्री तक हिजाब खींचेंगे तो कहीं दंगे के नाम पर मारे जाएंगे। और नेता चुप रहेंगे, हज़ारों करोड़ का मज़ा लेंगे। सोकाल्ड सेकुलर लोग कहेंगे आप जाति पर बहुत लिखते हैं। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले और आम जनता उन्नयन पार्टी के अध्यक्ष हुमायूं कबीर का एक कथित वीडियो वायरल हो रहा है। इसके बाद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने हुमायूं कबीर के साथ गठबंधन तोड़ लिया है। अब इस पर हुमायूं कबीर की प्रतिक्रिया सामने आई है।

वायरल वीडियो को लेकर अजुप प्रमुख हुमायूं कबीर ने कहा कि मैं बॉबी हकीम (फिरहाद हकीम) को चुनौती देता हूं कि वीडियो में दिख रहे उस व्यक्ति को सामने लाएं, जिसके साथ मैं बैठकर पैसे के बारे में बात कर रहा हूं। मेरा किसी से कोई लेन-देन नहीं है। उन्होंने कहा कि एआई के जरिए वो वीडियो बनाया गया है। हुमायूं कबीर की एक कथित वीडियो वायरल हो रही है, जिसमें वे बीजेपी नेताओं के साथ 1000 करोड़ की डील पर चर्चा कर रहे हैं। इसके बाद वीडियो को लेकर विवाद खड़ा हो गया। टीएमसी ने वीडियो शेयर कर इसकी जांच की मांग की है। हुगली से तृणमूल उम्मीदवार अरिंदम गुइन ने कहा कि इन लोगों को पहले से पता था कि पैसा कहां से आ रहा है और कौन दे रहा है? हुमायूं कबीर का इरादा सबको पता था। उनका काम भाजपा से साठगांठ करके मुस्लिम वोटों को बांटना है। हुमायूं कबीर से बड़ा कोई गद्दार नहीं है।बता दें कि बंगाल में असदुद्दीन ओवैसी और हुमायूं कबीर गठबंधन कर चुनाव लड़ रहे थे, लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद ओवैसी ने गठबंधन तोड़ लिया। अब बंगाल में ओवैसी की पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। ओवैसी के पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि हम किसी भी ऐसे बयान के साथ नहीं जुड़ सकते जिसमें मुसलमानों की अखंडता पर सवाल उठे। यह कोई छिपा हुआ सच नहीं है कि जब टीएमसी ने हुमायूं कबीर को उसकी साम्प्रदायिक हरकतों के कारण पार्टी से बेदखल किया, तो भाजपा ने उसे अपनी गोदी में बिठा लिया। आरोप है कि उसे ?200 करोड़ देकर खरीदा गया। बंगाल में मस्जिद की नींव रखी जा रही थी, तब भाजपा के राज्यपाल और प्रशासन ने उसे रोकने के बजाय भारी पुलिस सुरक्षा मुहैया कराई। और बेशर्मी की हद देखिए, आज उसी शख्स को 'वाय प्लस ' की सुरक्षा देकर सनातनी टैक्सपेयर्स के पैसों पर पाला जा रहा है।

क्या यही है भाजपा की हिंदू नीति? आतंक का पोषण और हिंदुओं में डर का माहौल से लोग अचंभित है।

जन्मदिन की हार्दिक बधाई

बीपीएस न्यूज अखबार के सदस्य अर्जुन विक्रम सोमवंशी का बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया जन्मदिन।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।
दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।
फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।
संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

जब बुजुर्ग मां ने डीएम से कहा, मेरी बेटी को घर से हटवा दीजिए

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। बुजुर्ग मां-बाप को बेटे या बहू द्वारा प्रताड़ित किए जाने की घटनाएं अक्सर सामने आती हैं, लेकिन कानपुर नगर के एक छोटे से गांव में रिश्तों का समीकरण उल्टा दिखाई दिया। यहां एक वृद्ध मां अपनी ही बेटी से परेशान होकर जनतादर्शन में जिलाधिकारी के सामने पहुंच गई। उसकी शिकायत थी कि जिस बेटी को उसने सहारा देकर अपने घर में जगह दी, वही अब उसके लिए परेशानी का कारण बन गई है।

तहसील सदर के ग्राम दूल की रहने वाली लगभग 76 वर्षीय सरस्वती 9 अप्रैल को जनतादर्शन में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के सामने पहुंचीं। वृद्धा ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनकी पुत्री प्रेमशान्ती आए दिन उनके साथ दुर्व्यवहार करती है और घर में विवाद की स्थिति बनी रहती है। उनका कहना था कि हाल ही में बेटी ने उन्हें ही घर से बाहर निकाल दिया, जिसके बाद वे असहाय स्थिति में प्रशासन की शरण लेने को मजबूर हो गईं। उन्होंने जिलाधिकारी से अपनी ही बेटी से घर खाली कराए जाने की मांग की।मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी सदर अनुभव सिंह राजस्व और पुलिस टीम के साथ ग्राम दूल पहुंचे। गांव में प्रशासनिक टीम के पहुंचने पर नायब तहसीलदार सचेण्डी, थानाध्यक्ष सचेण्डी, राजस्व कर्मी, ग्राम प्रधान तथा गांव के कई संभ्रांत लोग भी मौके पर एकत्र हो गए और पूरे प्रकरण की जानकारी ली गई।

ग्रामीणों से बातचीत में सामने आया कि मां-बेटी के बीच काफी समय से तनाव की स्थिति बनी हुई है। वृद्धा का कहना था कि वह शांति से जीवन बिताना चाहती हैं, लेकिन घर में आए दिन विवाद हो जाता है। दूसरी ओर प्रेमशान्ती ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि ससुराल में प्रताड़ना के कारण वह अपनी पुत्री के साथ मायके आकर रहने लगी थी। उसने मां के साथ मारपीट के आरोपों से इनकार किया और कहा कि बेटी की शादी के बाद वह अपने ससुराल लौट जाएगी।

गांव के लोगों और स्थानीय अधिकारियों की मौजूदगी में दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर बातचीत कराई गई। काफी देर तक चली बातचीत के बाद माहौल शांत हुआ और एक अस्थायी सहमति बन गई। उपजिलाधिकारी अनुभव सिंह ने माँ-बेटी में सुलह करा दिया है। साथ ही क्षेत्रीय लेखपाल और चौकी प्रभारी को निर्देशित किया गया है कि समय-समय पर प्रकरण का संज्ञान लेते हुए क्षेत्र में शांति व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।

जनतादर्शन में पहुंची एक वृद्ध महिला की शिकायत से शुरू हुआ यह प्रकरण गांव में सामुदायिक हस्तक्षेप और डीएम की पहल के साथ फिलहाल शांत हो गया। यह घटना यह भी दिखाती है कि बदलते सामाजिक हालात में कई बार घर के भीतर के रिश्तों की उलझनें ऐसी स्थिति पैदा कर देती हैं, जिन्हें सुलझाने के लिए समाज को भी हस्तक्षेप करना पड़ता है।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के बिना वाहनों का प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं बनेगा

एचएसआरपी नहीं तो पीयूसी भी नहीं, 15 अप्रैल से लागू होगी नई व्यवस्था

कानपुर। जिले में 15 अप्रैल से बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) वाले वाहनों का प्रदूषण अवमुक्त प्रमाणपत्र (पीयूसी) जारी नहीं किया जाएगा। परिवहन विभाग ने इसके लिए पीयूसीसी पोर्टल पर नई तकनीकी व्यवस्था लागू कर दी है।एआरटीओ प्रशासन आलोक कुमार सिंह ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार सभी वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाना अनिवार्य है। इसी क्रम में नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर के माध्यम से पीयूसीसी पोर्टल में तकनीकी बदलाव किए गए हैं। इसके तहत 15 अप्रैल से जिन वाहनों पर एचएसआरपी नहीं होगी, उनका पीयूसी प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाएगा।उन्होंने वाहन स्वामियों से अपील की कि वे अपने वाहनों पर जल्द से जल्द हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवा लें, जिससे आगे किसी प्रकार की परेशानी न हो।एआरटीओ प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिन वाहन निर्माता कंपनियों के कुछ मॉडल के लिए फिलहाल हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट उपलब्ध नहीं है।

रसोई गैस व बढ़ती हिंसा को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति ने जिलाधिकारी कानपुर नगर के कार्यालय में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इसमें रसोई गैस संकट, स्मार्ट मीटर लगाने का दबाव, मूल्य वृद्धि और महिलाओं तथा दलितों पर बढ़ती हिंसा की घटनाओं पर गहरी चिंता जताई गई।कहा गया कि गैस सिलेंडर की किल्लत से घरेलू महिलाएं व छोटे होटल-स्टाल चलाने वाले गरीब लोग व्यवसाय बंद करने को मजबूर हैं। स्मार्ट मीटर थोपने से लोग बिना बिजली रह रहे हैं। महंगाई के चलते गरीब व मध्यम वर्ग की दिक्कतें बढ़ी हैं। साथ ही, रेप, हत्या और दलितों पर अत्याचार कीघटनाओं से बच्चियों, महिलाओं और दलितों में दहशत का माहौल है। जिलाध्यक्ष सुधा सिंह, नीलम तिवारी, सीमा कटियार, आशा खालिद व मालती कटियार ने प्रशासन से त्वरित उपाय करने की मांग की है।

जनगणना में दी गई जानकारी न आरटीआई से सार्वजनिक होगी, न अदालत में बनेगी साक्ष्य : डीएम

जनगणना अधिनियम देता है गोपनीयता की कानूनी गारंटी
जनगणना में सही जानकारी देकर नीति निर्माण में करें सहभागिता
7 मई से 21 मई तक स्व-गणना, 22 मई से 20 जून घर-घर जाएंगे प्रगणक

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। जनगणना 2027 को लेकर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने जनपदवासियों से सही और पूर्ण जानकारी देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनगणना में नागरिकों द्वारा दी गई व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय रहती है। कानून के तहत यह जानकारी न तो सार्वजनिक की जाती है और न ही किसी न्यायालय में साक्ष्य के रूप में स्वीकार की जाती है। इसलिए नागरिक बिना किसी आशंका के सही जानकारी उपलब्ध कराएं, क्योंकि जनगणना के विश्वसनीय आंकड़े ही सरकार को वास्तविक स्थिति समझने और भविष्य की योजनाएं बनाने में मदद करते हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के अनुसार जनगणना में एकत्र की गई व्यक्तिगत सूचनाओं को पूर्ण गोपनीयता प्रदान की गई है। अधिनियम की धारा 8 के तहत प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह जनगणना से जुड़े प्रश्नों का अपनी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार उत्तर दे, जबकि धारा 15 के अंतर्गत जनगणना के दौरान एकत्रित अभिलेखों और अनुसूचियों में दर्ज व्यक्तिगत जानकारी का अवलोकन किसी व्यक्ति द्वारा नहीं किया जा सकता। इसी धारा के अनुसार जनगणना में दी गई जानकारी को किसी सिविल अथवा आपराधिक न्यायालय में साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, अर्थात नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी किसी न्यायिक कार्यवाही में उनके विरुद्ध प्रयोग नहीं की जा सकती।

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के तहत भी निजी जानकारी सार्वजनिक नहीं

जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना से संबंधित व्यक्तिगत जानकारी सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के अंतर्गत भी सार्वजनिक नहीं की जा सकती। इस अधिनियम की धारा 8(1)(ज) के तहत किसी व्यक्ति की निजी जानकारी को सार्वजनिक किए जाने से संरक्षण प्राप्त है। इस प्रकार जनगणना के दौरान दी गई व्यक्तिगत सूचनाएं न तो सार्वजनिक होती हैं, न ही किसी व्यक्ति या अन्य विभाग को व्यक्तिगत रूप में उपलब्ध कराई जाती हैं और न ही न्यायालय में साक्ष्य के रूप में प्रयोग की जा सकती हैं।

7 से 21 मई तक स्व-गणना, 22 मई से घर-घर सर्वे

जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत जनपद में 7 मई से 21 मई तक स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध रहेगी, जिसमें नागरिक डिजिटल माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना पोर्टल https://se.census.gov.in? पर नागरिक अपनी स्वगणना कर सकते है। इसके बाद 22 मई से 20 जून तक प्रगणक घर-घर जाकर मकान सूचीकरण और आवश्यक आंकड़ों का संकलन करेंगे। उन्होंने बताया कि जनगणना के समय जो व्यक्ति जहां जिस स्थिति में निवासित होगा उसकी गणना उसी स्थिति में की जाएगी। सभी नागरिक सही जानकारी उपलब्ध कराएं।

डिजिटल प्रणाली से सुरक्षित रहेगा आंकड़ा

उन्होंने कहा कि इस बार जनगणना में डिजिटल तकनीक का उपयोग किया जा रहा है और आंकड़ों के संकलन से लेकर उनके सुरक्षित भंडारण तक पूरी प्रक्रिया सुरक्षित डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से संचालित की जाएगी, जिससे नागरिकों की जानकारी की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित रहेगी। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे जनगणना कार्य में सहयोग करते हुए प्रगणकों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, क्योंकि विश्वसनीय आंकड़े ही सरकार को वास्तविक स्थिति समझने और जनहित की योजनाएं प्रभावी ढंग से तैयार करने में मदद करते हैं।

कानपुर गैस सर्विस में कालाबाजारी चरम पर, की जाए कार्यवाही

कानपुर। मोहम्मदी यूथ ग्रुप के अध्यक्ष इखलाक अहमद डेविड की अध्यक्षता में एक बैठक कर्नलगंज में हुई जिसमें कानपुर नगर में गैस एजेंसियों में कालाबाजारी को लेकर कानपुर की आवाम की परेशानियों को लेकर जिला प्रशासन से गुहार लगाई। ग्रुप के महासचिव अफज़ाल अहमद ने कहा कि मोहम्मदी यूथ ग्रुप ने कानपुर नगर के जिला प्रशासन अधिकारियों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया। जिसमें कानपुर गैस सर्विस में भ्रष्टाचार चरम पर है वहां तो खेल चल रहा है जिनके पास डिलीवरी होने का मैसेज आता है लेकिन घर पर गैस नही पहुंचती।

कानपुर गैस सर्विस जब उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कराने जाता है तो उसके साथ एजेंसी के कर्मचारी अभद्र व्यवहार व अशोभनीय भाषा का प्रयोग करते है केवाईसी करने में बहुत समय लगाया जा रहा है। इसी से सम्बन्धित पत्र अपर जिलाधिकारी आपूर्ति कानपुर नगर को दिया गया और जिलाधिकारी, जिलापूर्ति अधिकारी को इसकी प्रतिलिपि कार्यालय को दी जा चुकी है, लेकिन कानपुर गैस सर्विस ने तो पत्र लेने से ही इंकार कर दिया एजेंसी को किसी का डर नही है जिलापूर्ति अधिकारी कार्यवाही क्यों नही करते समझ से परे है। बैठक में मुख्य रुप से इखलाक अहमद डेविड, मोहम्मद आरिफ, हाशिम मंसूरी, मोहम्मद जियाउद्दीन, अज़हर खान, जमालुद्दीन खान, कासिम अली मंसूरी, मोहम्मद तौसिफ, हबीब आलम, परवेज़ आलम, मोहम्मद मुज्जमिल, अफज़ाल अहमद पप्पू आदि लोग मौजूद थे।

बरातियों की कार में कंटेनर ने मारी टक्कर, एक की मौत, चार घायल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर सिकंदरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कानपुर इटावा हाईवे पर सूर्या होटल के पास शनिवार रात नौ बजे के करीब सड़क किनारे खड़ी मैजिक समेत दो अन्य वाहनों में पीछे से आए कंटेनर ने टक्कर मार दी। हादसे में बरात लेकर जा रही मैजिक के चालक समेत पांच लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी सिकंदरा पहुंचाया गया। सीएचसी में चालक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुखरायां के अहरौली शेख निवासी रहीश के पुत्र शहबाज की बरात शनिवार को इटावा जा रही थी। एक मैजिक में कुछ बरातियों को लेकर भोगनीपुर थाने के पीछे रहने वाले चालक शाकिर अली उर्फ भूरा (42) जा रहे थे। सिकंदरा पहुंचने पर पीछे से अन्य वाहनों के आने का इंतजार करने और चाय-नास्ता करने के लिए भूरा ने सूर्या होटल के पास सर्विस रोड किनारे मैजिक रोक कर खड़ी कर ली। चालक और कुछ लोग पीछे खड़े थे। इसी बीच पीछे से आए तेज रफ्तार कंटेनर ने मैजिक में टक्कर मार दी। हादसे में चालक समेत पांच लोग घायल हो गए।

मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने शाकिर उर्फ भूरा को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल निसार (30), समसा (60) पत्नी शमीम , अयान (10) पुत्र वसीम, अयान (12) पुत्र फिरोज निवासी पुखरायां को प्राथमिक उपचार के उपरांत छुट्टी कर घर भेज दिया। हादसे की जानकारी पर भूरा के भाई युनुस अली, पत्नी, बेटा साकिब और अन्य परिजन पहुंच गए। बेटे ने बताया कि पिता स्वयं की मैजिक चला कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके साथी की शादी थी, उसी में बरात लेकर जा रहे थे।

थानाध्यक्ष जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि कंटेनर चालक ने मैजिक वाहन समेत दो अन्य वाहनों को टक्कर मारने के बाद एक ईंट के चट्टे से टकराने के बाद रुका है। हादसे में मैजिक चालक की मौत हुई है। कंटेनर चालक मौके से फरार है। शव को मोर्चरी भेजा गया है। तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

खाने के विवाद में टूटी शादी, मीट को लेकर लड़ पड़े बराती-घराती, खुले मंच से दूल्हे ने दिया तीन तलाक

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर निकाह में गोश्त को लेकर बराती-जनाती में विवाद हो गया। दुल्हन के चाचा व चचेरे भाई पर गोश्त बनाने वाले बर्तनों से हमला कर दिया। दूल्हे ने दुल्हन को तीन तलाक दिया।ककवन रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में शनिवार को निकाह के बाद दावत में लेग पीस को लेकर बरातियों व जनातियों में जमकर मारपीट हो गई। दोनों ने एक दूसरे पर कुर्सियां चलाईं। जनातियों के भारी पड़ने पर दूल्हे ने निकाह के मंच से ही दुल्हन को तीन तलाक दे दिया। देर रात तक गेस्ट हाउस में वर-वधू पक्ष में कहासुनी का दौर जारी रहा। बाद में वधू पक्ष ने दूल्हे पर आरोप लगाते हुए दुल्हन की विदाई से इन्कार कर दिया।बारामऊ गांव निवासी बुजुर्ग ने अपनी बेटी का निकाह बिल्हौर निवासी युवक से तय किया था। शनिवार को ककवन रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में बरात पहुंची। निकाह की रस्म के बाद दूल्हा-दुल्हन जयमाल के लिए मंच पर पहुंचे तो कई बराती-जनाती खाना खाने लगे। इस बीच जनाती पक्ष का बराती पक्ष से लेग पीस व गोश्त डिब्बे में ले जाने को लेकर कहासुनी हो गई।

इस बीच बराती पक्ष से कुछ युवकों ने कुर्सियों व बर्तन से हमला कर दिया। इससे पिता-पुत्र लहूलुहान हो गए। उधर, बरातियों के मारपीट की सूचना जब दूल्हे को मिली तो वह आग बबूला हो उठा। जयमाल मंच से ही दुल्हन को तीन तलाक दे दिया। इसके बाद निकाह में आए लोग दो पक्षों में बट गए और झगड़ा शुरू हो गया।झगड़े में तीन अन्य लोगों को भी चोटें आईं। बाद में दूल्हा नर्म हुआ तो ससुर सहित अन्य लोगों के पैर छूकर मिन्नतें करने लगा। वहीं, दुल्हन की मां ने बताया कि दूल्हे ने शरीयत के विरुद्ध काम किया है। अब वह अपनी पुत्री को विदा नहीं करेंगे और पुलिस कार्रवाई करेंगे। थाना प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि झगड़े की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। कई नशेबाजों को गेस्ट हाउस से हटाया गया है। अभी तक कोई शिकायती पत्र नहीं मिला है।

वैदिक मंत्रों के बीच आर्य समाज स्थापना दिवस पर 51 कुण्डीय महायज्ञ सम्पन्न

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। जिला आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आर्य समाज स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भव्य 51 कुण्डीय वैदिक महायज्ञ का आयोजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पूरा वातावरण वैदिक मंत्रोच्चार और यज्ञ की पवित्र सुगंध से भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में युवाओं एवं युवतियों ने सहभागिता करते हुए विधिवत वैदिक मंत्रों के साथ अग्नि में आहुति अर्पित की।इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. रवीश वैदिक ने अपने ओजस्वी व्याख्यान में यज्ञ के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ÷यज्ञ संसार का श्रेष्ठतम कर्म है, जो मानव जीवन को शुद्ध एवं उन्नत बनाता है।÷ उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने यज्ञ संस्कृति को अपनाकर ही भारत को विश्वगुरु के रूप में स्थापित किया साथ ही उन्होंने सभी से 'सत्यार्थ प्रकाश' के अध्ययन का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक आचार्य विजय आनंद ने राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रधाना चन्द्र कान्ता गेरा ने की, संचालन महामंत्री आनंद जी आर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम मे अशोक आनंद, सुभाष आर्य, प्रकाश वीर आर्य, शुभ कुमार वोहरा, प्रमोद कुमार आर्य, वीरेंद्र मल्होत्रा, अनिल चोपड़ा, सुरेन्द्र गेरा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं आर्य समाज के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विश्व शांति, राष्ट्र उन्नति एवं समाज के कल्याण हेतु विशेष प्रार्थना की गई, जिसके साथ ही महायज्ञ का विधिवत समापन हुआ।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा डी0टी0सी0 सेंटर नवाबगंज, ग्वालटोली एवं सर्वोदय नगर का किया गया निरीक्षण

कानपुर। मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर द्वारा डी0टी0सी0 सेंटर नवाबगंज, ग्वालटोली एवं सर्वोदय नगर का निरीक्षण किया गया। नवाबगंज डी0टी0सी0 सेंटर की उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करने पर श्री तेजस्वी, सपोर्ट स्टाफ अनुपस्थित पाए गए। चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि संबंधित कार्मिक आयुष्मान कार्ड के डाटा अद्यतन कार्य हेतु काशीराम गए हुए हैं। चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिए गए संबंधित कार्मिक की उपस्थिति सुनिश्चित करने के उपरांत ही वेतन आहरण किया जाए साथ ही ओपीडी रजिस्टर को भी अद्यतन किए जाने के निर्देश दिए गए।06 अप्रैल 2026 को केंद्र में 26 लोगों को आर0ए0वी का टीकाकरण किया गया है। सेंटर प्रांगण के पास ही कूड़े का निस्तारण केंद्र बनाया गया है, जिसके निस्तारण हेतु नगर आयुक्त से वार्ता करते हुए कूड़ा निस्तारण केंद्र को अन्य जगह स्थापित किए जाने के निर्देश दिए गए।

ग्वालटोली सेंटर के निरीक्षण के समय प्रांगण में प्लास्टिक का कूड़ा अवस्थित रूप से बिखरा पाया गया नगर आयुक्त से वार्ता की गई की इस केंद्र में नियमित तौर पर साफ सफाई का कार्य कराये जाने हेतु सफाई कर्मी की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करने पर पारो विगत 3 माह से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित चल रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए गए कि संबंधित को सेवा समाप्ति का नोटिस निर्गत करते हुए किसी अन्य कर्मचारियों की तैनाती की जाए।मरीजों के अंकन हेतु बनाए गए ओपीडी रजिस्टर में निर्धारित कालम के अनुसार सूचना का अंकन नहीं पाया गया। चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिए गए कि ओ0पी0डी0 रजिस्टर में निर्धारित कॉलमों के अनुसार सूचना का अंकन किया जाए। वैक्सीनेशन कक्ष के निरीक्षण के समय चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि सोमवार को वैक्सीनेशन ऑफ रहता है दिनांक 05 अप्रैल 2026 को पांच लोग बच्चों का वैक्सीनेशन किया गया था। चिकित्सा अधीक्षक को वैक्सीनेशन बढ़ाये जाने के निर्देश दिये गये। काउंसलिंग कक्ष का प्रयोग किए जाने के भी निर्देश दिए गए।सर्वोदय नगर सेंटर का निरीक्षण करने पर सभी कर्मचारी उपस्थित पाए गए ओपीडी रजिस्टर का अवलोकन करने पर पाया गया कि 06 अप्रैल 2026 को केंद्र में 32 मरीजों की ओपीडी की गई है एवं 34 लोगों को डॉग बाइट का टीकाकरण किया गया है। सेंटर कक्ष के बाहर ही मेज पर दवाइयों के पैकेट अवस्थित रूप से रखे पाए गए।

फसल प्रभावित होने पर किसान 72 घंटे के भीतर 14447 पर दें सूचना

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। जनपद में हुई अतिवृष्टि, ओलावृष्टि एवं तेज हवाओं के दृष्टिगत उप कृषि निदेशक आर.एस. वर्मा ने किसानों से अपील की है कि जिन किसानों की फसल प्रभावित हुई है, वे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत टोल फ्री नंबर 14447 पर 72 घंटे के भीतर सूचना दर्ज कराएं। समय से सूचना प्राप्त होने पर संबंधित एजेंसियों द्वारा क्षति का सर्वेक्षण कराया जाएगा, जिससे आगे की कार्यवाही समयबद्ध रूप से की जा सके।

उन्होंने बताया कि जनपद कानपुर नगर में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत रबी 2025-26 में 24,669 कृषकों ने अपनी अधिसूचित फसल का बीमा कराया है। वर्तमान में हुई अतिवृष्टि, ओलावृष्टि एवं तूफान के संबंध में किसानों द्वारा 08 अप्रैल 2026 तक टोल फ्री नंबर 14447 पर 1,184 शिकायतें दर्ज कराई गई हैं, जिनमें से 167 शिकायतों का सर्वे पूर्ण किया जा चुका है। शेष शिकायतों पर सर्वेक्षण की प्रक्रिया जारी है।

उप कृषि निदेशक ने बताया कि योजना के अंतर्गत फसल क्षति की सूचना किसानों को घटना के 72 घंटे के भीतर देना अनिवार्य होता है। इसलिए जिन किसानों की फसल प्रभावित हुई है, वे निर्धारित समयसीमा के भीतर अपनी सूचना दर्ज कराएं।

हाईटेंशन लाइन की चिंगारी से तीन बीघा गेहूं की फसल जली, दमकल कर्मियों ने पाया काबू

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र के सुभौली गांव में 11 हजार हाईटेंशन लाइन के आपस में टकराने से गिरी चिंगारी ने किसानों के तीन बीघा खेत में बोई गई गेहूं की फसल जल गई। खेतों में काम कर रहे किसानों में अफरातफरी मच गई। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। सुभौली गांव निवासी किसान हरीलाल और सुरेंद्र ने बताया कि हाईटेंशन लाइन के तार खेतों में बिल्कुल नीचे से गुजरे हुए हैं। पूर्व में कई बार विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से लिखित शिकायत के बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया गया। इस वजह से किसान डरकर खेतों में काम करते हैं।उनके अनुसार शनिवार शाम करीब पांच बजे तेज हवा के कारण तारों के आपस में टकराने से निकली चिंगारी से फसल जल गई। महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस फायरब्रिगेड की टीम के साथ पहुंची और आग पर काबू पा लिया। घटना में कोई जनहानि नहीं है।

अधिवक्ताओं को सपरिवार आयुष्मान योजना में लाना हमारा संकल्पः पं रवीन्द्र शर्मा

» कानून मंत्री के निर्देश पर विधि मंत्रालय सचिव से की वार्ता

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों के निशुल्क और बेहतर इलाज हेतु पं रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लॉयर्स एसोसिएशन ने मां अर्जुन राम मेघवाल कानून मंत्री भारत सरकार से बात की और उनके निर्देश पर विधि मंत्रालय भारत सरकार के सचिव आर के मिश्रा से फोन पर वार्ता की जिस पर श्री मिश्रा ने बताया की विधि मंत्रालय हेल्थ पॉलिसी और इंश्योरेंस लागू करना चाहता है किंतु बार कौंसिल से अधिवक्ताओं की डिटेल न होने के कारण योजना लागू नहीं हो पा रही है अधिवक्ताओं की डिटेल मिलते ही योजनाएं लागू की जाएगी।

जिस पर हमने बार काउंसिल आफ इंडिया के अध्यक्ष से बात करने को कहा तो उन्होंने कहा कि आप बात करके डिटेल भिजवाइए। योजनाएं लागू होंगी।शर्मा ने तत्काल एक प्रतिवेदन जरिए मेल मनन कुमार मिश्रा अध्यक्ष बार काउंसिल आफ इंडिया को भेजा कि आप अतिशीघ्र अधिवक्ताओं की डिटेल विधि मंत्रालय को भेज योजनाओं को लागू कराएं। हमारा विश्वास है अब बार कौंसिल ऑफ़ इंडिया शीघ्रातिशीघ्र अधिवक्ताओं के डिटेल विधि मंत्रालय को भेज देगी जिससे अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों के लिए हेल्थ स्कीम लागू कर दी जाएगी या उन्हें आयुष्मान योजना से जोड़ दिया जाएगा।

मौत को मात देकर जनसेवा के पथ पर अडिग फतेहपुर के भाजपा नेता 'इरशाद आलम

» जब एस. डी. हॉस्पिटल के निदेशक डा. एम. के. प्रजापति की सलाह उनके लिए वरदान साबित हुई

» बीपीएस न्यूज

फतेहपुर की धरती के एक समर्पित सिपाही और भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता, इरशाद आलम की कहानी केवल एक बीमारी से लड़ने की नहीं, बल्कि अटूट विश्वास और संकल्प की गाथा है। 2018 का वह साल उनके जीवन में एक गहरा अंधेरा लेकर आया था, लेकिन आज वे एक नई रोशनी के साथ समाज की सेवा में जुटे हैं।

विश्वास की जीत- कैंसर को हराकर जनसेवा में जुटे भाजपा नेता इरशाद आलम।

जब वक्त ने ली कठिन परीक्षा

इरशाद आलम बताते हैं कि 2018 में अचानक तबीयत बिगड़ने पर जब जांच कराई गई, तो रिपोर्ट ने सबको झकझोर दिया–उन्हें 'ब्लड कैंसर' जैसी जानलेवा बीमारी की पुष्टि हुई थी। उस वक्त उनके शरीर में टीएलसी का स्तर डेढ़ लाख (1,50,000) तक पहुँच गया था, जो खतरे की घंटी थी।

एस.डी. हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. एम. के. प्रजापति का मार्गदर्शन और टाटा हॉस्पिटल का साथ

निराशा के उन क्षणों में कानपुर के एस. डी. हॉस्पिटल के संचालक डॉ. एम. के. प्रजापति उनके लिए देवदूत बनकर आए। डॉ. प्रजापति ने न केवल उन्हें ढांढस बंधाया, बल्कि सही समय पर बॉम्बे के टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में इलाज कराने की सटीक सलाह दी। इरशाद जी बड़े गर्व से कहते हैं, डॉक्टर साहब की वह एक सलाह मेरे जीवन के लिए वरदान साबित हुई।विधायक विक्रम सिंह व योगी सरकार की संवेदनशीलताएक मध्यमवर्गीय परिवार के लिए कैंसर का खर्च उठाना पहाड़ तोड़ने जैसा था। ऐसे में क्षेत्रीय विधायक विक्रम सिंह ने उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीएम कोष से बीमारी के इलाज के लिए जारी धन उनकी बीमारी को मात देने में ब्रह्मास्त्र साबित हुआ. इरशाद आलम क्षेत्रीय विधायक विक्रम सिंह के प्रयासों द्वारा 'मुख्यमंत्री राहत कोष' से इलाज का सारा खर्च वहन किए जाने के उपकार का ऋण जीवन भर नहीं चुकता कर सकने की बात कहते हैं। इरशाद आलम भावुक होकर मुख्यमंत्री और अपनी पार्टी का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने एक कार्यकर्ता को अकेला नहीं छोड़ा।आज इरशाद आलम पूरी तरह स्वस्थ हैं। उनका टीएलसी अब मात्र 8,000 (सामान्य सीमा) रहता है। वे कड़े अनुशासन के साथ डॉक्टरों द्वारा सुझाई गई दवा का पालन करते हैं और खुद को बेहद फिट महसूस करते हैं।भाजपा मंडल समिति के सदस्य के रूप में वे पार्टी आलाकमान के निर्देशों का अक्षरशः पालन कर रहे हैं। क्षेत्र की जनता की समस्याओं को सुनना और अपने वरिष्ठजनों के माध्यम से उनका त्वरित निराकरण करवाना अब उनकी दिनचर्या का हिस्सा है। फतेहपुर में उनकी छवि एक 'जूझारू और निष्ठावान सिपाही' की बन चुकी है।इरशाद आलम जी का यह संघर्ष हमें सिखाता है कि सही डॉक्टरी सलाह और सरकार का सहयोग मिले, तो नामुमकिन को भी मुमकिन बनाया जा सकता है।

यूडीआईडी कार्ड से परिवहन निगम की बसों में निशुल्क यात्रा करने से मना कर रहे हैं परिचालक, मांग रहे स्मार्ट कार्ड

» राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने क्षेत्रीय प्रबंधक को लिखा पत्र, मांगी स्मार्ट कार्ड के संबंध में पूरी जानकारी

» 142 दिव्यांगों ने पेंशन, उत्पीड़न, आवास, रेलवे यूनिक कार्ड, ऋण, की रखी समस्या

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में अब यु.डी, आईडी कार्ड से दिव्यांग जनों को निशुल्क यात्रा सुविधा प्रदान करने से बसों के परिचालक मना कर रहे हैं और निः शुल्क यात्रा के लिए स्मार्ट कार्ड की मांग कर रहे हैं। आज शास्त्री नगर बड़ा सेंटर पार्क बगिया गेट नंबर 4 के अंदर आयोजित राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के समस्या समाधान शिविर में 28 दिव्यांगों ने इस संबंध में अपनी शिकायत दर्ज कराई है। 142 दिव्यांगों ने पेंशन, उत्पीड़न, आवास, रेलवे यूनिक कार्ड, ऋण, की समस्या रखी राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने इस संबंध में राज सड़क परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक को पत्र लिखकर स्मार्ट कार्ड के संबंध में पूरी जानकारी मांगी है और कैंप लगाकर स्मार्ट कार्ड बनाने की मांग की है।

उन्होंने कहा है कि दिव्यांग जनों को स्मार्ट कार्ड जारी होने तक? यूडीआईडी कार्ड से निशुल्क यात्रा जारी रखी जाए जिससे कि दिव्यांगजनों को बेवजह परेशान ना होना पड़े। वीरेन्द्र कुमार ने चेतावनी दी है की परिवहन निगम के परिचालको द्वारा दिव्यांग जनों को स्मार्ट कार्ड के नाम पर बेवजह परेशान करने की कोशिश की गई तो राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी आंदोलन का रुख अपनाएगी क्योंकि कोई भी योजना अगर सरकार ने बनाई है तो उसे योजना से लाभान्वित करने के लिए विभाग को पूरी व्यवस्था करनी चाहिए।

पहले सबके स्मार्ट कार्ड बनने चाहिए उसके बाद यूडी आईडी कार्ड से निशुल्क की यात्रा सुविधा समाप्त होनी चाहिए अगर ऐसा नहीं होता है तो विवश होकर राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी को इस संबंध में कड़ा रुख अपनाना पड़ेगा।समस्या समाधान शिविर में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, अल्पना कुमारी, अरविंद सिंह, गुड्डी दीक्षित, वैभव दीक्षित, ओम प्रकाश दीक्षित आदि शामिल थे।

चाय की दुकान पर हमला, दबंगों के हमले में कई लोग हुए घायल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। एक चाय की दुकान पर कुछ दबंगों ने हमला कर दिया। घटना में है चाय के दुकानदार सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। इसके अलावा दबंगों ने दुकान पर भी तोड़फोड़ की।

जानकारी के अनुसार कानपुर कमिश्नरेट के साउथ जोन स्थित किदवई नगर थाना क्षेत्र में दबंगों के हौसले बुलंद नजर आए। यहां एक चाय दुकानदार पर एक दर्जन से अधिक लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। चाय की दुकान पर चाय दुकानदार के साथ दबंगों द्वारा मारपीट की घटना की वारदात के आरोप मौके पर लगे सीसीटीवी फुटेज से पुलिस जाँच का विषय बताते हुए पीड़ित ने बताया, अज्ञात हमलावरों ने न केवल उसके साथ मारपीट की बल्कि दुकान में तोड़फोड़ भी की।

वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और हमलावरों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

भगवान परशुराम जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाये

» विधायक अमिताभ बाजपेयी ने मुख्यमंत्री से की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आर्यनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अमिताभ बाजपेयी ने भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने की पुरजोर मांग की है। इस संबंध में उन्होंने उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर जनभावनाओं से अवगत कराया। विधायक ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि भगवान परशुराम जयंती न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में अत्यंत श्रद्धा, आस्था और धार्मिक उत्साह के साथ मनाई जाती है। यह पर्व भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और धार्मिक मूल्यों का प्रतीक है, जिसे ब्राह्मण समाज सहित सभी धर्मावलंबी बड़े सम्मान और भक्ति भाव से मनाते हैं।

अमिताभ बाजपेयी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि प्रदेश की जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस विषय पर सकारात्मक निर्णय लिया जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि सरकार इस दिशा में कदम उठाती है तो इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान और अधिक मजबूत होगा। विधायक की इस पहल को क्षेत्रीय जनता और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा सराहा जा रहा है, जिससे यह मांग अब और अधिक व्यापक रूप लेती जा रही है।

800 बच्चों को कैंसर व थैलेसीमिया से बचाव के प्रति किया जागरूक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कल्यानपुर स्थित वुड वाइन गार्डेनिया स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मंगलवार को 800 बच्चों को सर्वाइकल कैंसर व थैलेसीमिया की रोकथाम, एनीमिया व पीसीओएस जैसी बीमारियों से बचाव की जानकारी दी गई। इससे होने वाली गंभीर बीमारी, शुरुआती संकेत, भविष्य में होने वाली जटिलताओं और लक्षण की जानकारी देकर बच्चों को जागरूक किया।

सर्वाइकल कैंसर व थैलेसीमिया अवेयरनेस क्रिज में 65 बच्चों में विजेता को कैंसर से बचाव के लिए निशुल्क वैक्सीन लगाई जाएगी। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष व प्रोफेसर डॉ.नीना गुप्ता ने विन अगेन सर्वाइकल कैंसर (डब्ल्यूएसीसीए प्राजेक्ट) के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

डॉ. नीना गुप्ता ने बताया कि 09 वर्ष से लेकर 14 वर्ष की बच्चियों के लिए सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए एचपीवी वैक्सीन अत्यंत प्रभावी है। 15 से 26 वर्ष तक की लड़कियां व महिलाएं भी इस वैक्सीन को लगवा सकती है।वैक्सीन एसपीवी संक्रमण के खिलाफ 93-100 फीसदी तक असरदार है। लड़कियों को टीकाकरण के महत्व को समझाना और जागरूक करना आवश्यक है।

इसके बाद उन्होंने लड़कियों व महिलाओं में होने वाली खून की कमी के लक्षण बताए। बचाव के लिए आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ में पालक, गुड़, खजूर, अनार, दालें, फल व हरी सब्जियों का सेवन अधिक करने और फास्ट फूड व जंक फूड से दोस्ती न के बराबर करने की जानकारी दी। लड़कियों व महिलाओं में होने वाली पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) प्रबंधन के बारे में बताया। मीठे व प्रोसेस्ड फूड से बचाव की सलाह दी।

कहा कि इन सबके साथ ही थैलेसीमिया की बीमारी की रोकथाम भी बहुत जरूरी है। क्योंकि यदि माता-पिता दोनों को थैलेसीमिया माइनर है, तो बच्चे को थैलेसीमिया मेजर होने का उच्च जोखिम होता है। ऐसे में डॉक्टर की सलाह व जेनेटिक काउंसलिंग अनिवार्य है। विवाह से पहले थैलेसीमिया माइनर की जांच बहुत जरूरी है।

टप्पेबाज महिला जेवर सहित हुई गिरफ्तार

कानपुर। हैलेट चौकी क्षेत्र स्थित कार्डियोलॉजी अस्पताल में इलाज कराने आए महिला तीमारदार को सस्ता इलाज के नाम पर गुमराह कर उसके पहने हुए सोने के जेवरात की टप्पेबाजी की गई। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस एक्शन शातिर टप्पेबाज महिला जेवरात सहित गिरफ्तार कर लिया।कानपुर के स्वरूप नगर थाना क्षेत्र स्थित हैलेट चौकी के अंतर्गत कार्डियोलॉजी अस्पताल परिसर में टप्पेबाजी की वारदात को अंजाम देने वाली शातिर महिला आरोपी अनीता उर्फ गुड्डी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की शिकायत पर स्वरूप नगर थाना पुलिस ने सेंट्रल जोन सर्विलांस टीम की मदद से तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू की।पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उन्नाव (अचलगंज बदरका की रहने वाली शातिर आरोपी महिला अनीता दुबे को चोरी किए गए जेवरात सहित दबोच लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी महिला से अन्य पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश कर सलाखों का रास्ता दिखाया।

सिटी फॉरेस्ट कांड के मुख्य आरोपी की कानपुर में गला घोंटकर हत्या

» बीपीएस न्यूज

हमीरपुर/कानपुर। साढ़े तीन साल पहले हुए हमीरपुर के चर्चित सिटी फॉरेस्ट कांड के मुख्य आरोपी आशीष शर्मा उर्फ कन्हैया शर्मा (42) की कानपुर नगर के चकेरी थाना क्षेत्र में गला घोंट कर हत्या कर दी गई। हमीरपुर के गौरादेवी मोहल्ले का निवासी कन्हैया शर्मा हाईकोर्ट से जमानत पाकर जेल से बाहर आया था। उसके बाद से कानपुर के चकेरी क्षेत्र में रहकर राजमिस्त्री का काम करता था। पुलिस ने उसके साले की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। पूछताछ के लिए पत्नी को हिरासत में लिया गया है।

16 अगस्त 2022 को हमीरपुर शहर से एक किलोमीटर दूर हमीरपुर-कालपी हाईवे के किनारे स्थिति वन विभाग के वीरान पड़े सिटी फॉरेस्ट पार्क में प्रेमी युगल को पीटकर युवती से जोर-जबरदस्ती की गई थी। 18 अगस्त को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह मामला सामने आया था। पुलिस ने वीडियो की जांच कर नौ लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित गैंगस्टर, एनडीपीएस व आईटी एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की थी।पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इनमें घटना के मुख्य आरोपी के रूप में शहर के गौरादेवी निवासी कन्हैया शर्मा (42) का नाम आया था। इस कांड में तीन आरोपी बाल अपचारी थे। पीड़िता ने लोकलाज के डर से पुलिस में शिकायत नहीं की थी। पुलिस ने खुद पूरे मामले का संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया था।

चकेरी एसएचओ अजय प्रकाश मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि कन्हैया शर्मा यहां पीएससी बाईपास के पास किराये के मकान में रहकर राजमिस्त्री का काम करता था। दो अप्रैल की देर रात कमरे में ही उसकी हत्या कर दी गई।

कमरे की कुंडी बाहर से बंद थी। उसके मुंह से खून आ रहा था। तीन अप्रैल को मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी। उस समय कन्हैया शर्मा की शिनाख्त सिटी फॉरेस्ट कांड के मुख्य आरोपी के रूप में नहीं हो पाई थी। छानबीन के बाद उसकी सही शिनाख्त होने पर परिजनों को हमीरपुर में सूचना दी गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई है।

मंगलवार को पुलिस ने मृतक के साले इटावा निवासी रामयश की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की। मृतक की पत्नी आरती ने आरोप लगाया कि आशीष का मोबाइल, रुपये व पर्स भी गायब है। उन्होंने मकान मालिक पर विवाद के चलते हत्या का आरोप लगाया। मकान मालिक से पूछताछ के बाद पुलिस को आशंका है कि कन्हैया की हत्या के तार हमीरपुर से ही जुड़े हैं। पुलिस ने आशीष की पत्नी आरती को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस की एक टीम मामले के खुलासे के लिए हमीरपुर में डेरा डाले है। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि बुधवार को घटना का खुलासा किया जाएगा।

सदर कोतवाली में दर्ज हैं चार मुकदमें

हमीरपुर सदर कोतवाल पवन कुमार पटेल ने बताया कि सिटी फॉरेस्ट कांड के मुख्य आरोपी कन्हैया शर्मा के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित गैंगस्टर, एनडीपीएस व आईटी एक्ट के तहत कुल चार मुकदमें दर्ज किए गए थे। इनके अलावा अन्य कोई मुकदमा दर्ज नहीं है।

उस समय राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष विमला बाथम ने एसपी से पूरे मामले की रिपोर्ट तलब की थी। उन्होंने कहा था कि युवती के साथ हैवानियत करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं, सपा व बसपा सुप्रीमो ने इस घटना को जंगलराज करार दिया था।

हमीरपुर के तत्कालीन एसपी शुभम पटेल ने अपराधियों पर नजर रखने में नाकाम रहने पर बीट आरक्षी अनुराग सिंह को निलंबित कर दिया था। साथ ही सिटी फारेस्ट पार्क का गेट बंद करा दिया गया था। पुलिस का पहरा भी लगा दिया गया था। घटना के बाद डीआईजी ने भी मौका मुआयना किया था। साथ ही जरूरी दिशा निर्देश दिए थे। जिस मोबाइल से वीडियो बनाया गया था, उसको जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा गया था लेकिन पीड़िता ने कोई भी कार्रवाई करने से साफ इनकार कर दिया था।

आंधी व हल्की बारिश से भीगी फसलें, गेहूं को ज्यादा नुकसान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । रबी सीजन में गेहूं, जौ, सरसों, चना व अरहर की फसल प्रमुख है। मौसम वैज्ञानिकों ने सात व आठ अप्रैल को आंधी व हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी दी थी। दोपहर तीन बजे तक मौसम ठीक रहा लेकिन शाम होते ही मौसम का मिजाज बदल गया। पहले धूल भरी आंधी आयी इसके बाद गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हुई। सिकंदरा, डेरापुर, रूरा, अकबरपुर, संदलपुर, झींझक, रसूलाबाद व सरवनखेड़ा क्षेत्र में करीब 40 किमी की गति से हवाएं चली और हल्की बारिश हुई।

दो दिन पहले मौसम खराब होने व ओलावृष्टि से गेहूं व जौं की फसलें खेत में गिरी पड़ी है। कटाई के बाद बारिश होने से गट्ठर भीग गए थे। फसलें ठीक से सूख नहीं पाई है। किसान गट्ठर पलटाने के साथ काटी गई फसल को उलट-पलट कर सुखाने का जतन कर रहे थे। इधर फिर से आंधी-बारिश हुई तो किसान हताश नजर आए। मड़ाई के बाद खेत में रखा भूसा भी आंधी में उड़ गया। एडीएम वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार ने बताया कि बेमौसम बारिश से फसल नुकसान का सर्वे तहसील स्तर पर कराया जा रहा है। फसल बीमा कराने वाले किसानों को बीमा कंपनी एचडीएफसी आर्गो सर्वे के बाद क्षतिपूर्ति देगी।

भूसे का मोह छोड़ा, हार्वेस्टर से कटाई फसल

सरवनखेड़ा। लगातार मौसम के करवट लेने से किसान अब फसल उठाने पर जोर दे रहे हैं। मंगलवार को दिन में मौसम खुला तो कई किसानों ने हार्वेस्टर से गेहूं की फसल कटवाई। जिठरौली निवासी दीपू सिंह ने बताया कि साल भर की रोटी की व्यवस्था जुटाने के लिए भूसे का मोह छोड़ कर हार्वेस्टर से गेहूं की मड़ाई करा ली। सैथा निवासी राजू मिश्रा ने बताया कि आए दिन हो रही बेमौसम बारिश ने किसान चिंतित हैं। केवल चार बीघा गेहूं की फसल है। जानवरों के लिए भूसा की भी जरूरत है। मौसम के बिगड़े मिजाज को देखते हुए हार्वेस्टर से फसल कटाने का फैसला लिया लेकिन शाम को बारिश हो गई। अब फसल कटाई टल गई। खेत में गिरी गेहूं की फसल को नुकसान हुआ है। दाने की चमक खराब होने की आशंका है। इधर काटी गई अरहर की फसल कई किसान समेटते नजर आए। (संवाद)

मेहनत कर सुखाए गट्ठर, तीसरी बारिश में भीग गए

रसूलाबाद। तहसील क्षेत्र में शनिवार को पहली बार आंधी संग बारिश हुई थी। इधर रविवार को बारिश संग ओले गिरे। इससे खेत में गिरी फसलें भीग गई थी। सोमवार को किसानों ने खेत में काटी गई फसलों को सुखाने का जतन किया। मंगलवार को सुबह मौसम का मिजाज ठीक रहा। इससे किसान कुछ संभले थे लेकिन शाम को आंधी संग हल्की बारिश से तीसरी बार फसलें भीग गई। बार-बार बारिश से फसलें भीगने से भारी नुकसान है। मौसम की अनिश्चितता से किसान चिंतित हैं। मेहनत व लागत लगाकर तैयार की गई फसलें उठाने की चुनौती बनी है। महेरा निवासी अर्जुन सिंह, जीतापुरवा निवासी अजय सिंह यादव, मलखानपुर निवासी जगतपाल सिंह, कहिंजरी निवासी नरेश ने बताया कि गेहूं व जौ की फसलें भीग गई थी।

गुरुग्राम में लाठीचार्ज के बाद हिंसक हुए कर्मचारी

20 मजदूरों को आई चोट, पुलिस की बाइक जलाई, शीशे तोड़े

- न्यूनतम वेतन को बताया मजाक
- कई कंपनियों के बाहर पुलिसकर्मियों की तैनाती
- डीसीपी मानेसर ने लिया जायजा
- उद्यमियों बोले- मजदूरी दर बढ़ाने के लिए यह उचित समय नहीं

बीपीएस न्यूज

गुरुग्राम। गुरुग्राम के आईएमटी मानेसर औद्योगिक क्षेत्र के कई कंपनियों में न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों पर गुरुवार की सुबह पुलिस ने लाठीचार्ज किया। कर्मचारी यूनियन का आरोप है कि कंपनी प्रबंधकों के इशारे पर कर्मचारियों पर लाठीचार्ज हुआ है। इस दौरान करीब 20 कर्मचारियों को चोटें आई हैं। एक के सिर पर गहरा जख्म है, जिसको काफी खून बहने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। हंगामा कर रहे कर्मचारियों ने पुलिस की एक बाइक फूंक दी और पुलिस की गाड़ियों पर पथराव करके शीशे तोड़े।

आईएमटी मानेसर स्थित रिचा ग्लोबल एक्सपोर्ट, मॉडलेमा, मुंजाल शोवा, डायमंड इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के बाहर कर्मचारियों ने हंगामा किया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने कई कर्मचारियों को हिरासत में लिया है।

क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 लागू करने आदेश जारी किया है। इसके बावजूद उग्र कर्मचारियों ने कई कंपनियों पर भी पथराव किया। पुलिस अधिकारियों ने एतिहात के तौर पर आईएमटी मानेसर की कई कंपनियों के बाहर पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। इसके साथ ही फायर विभाग की टीमों को भी तैनात किया गया है।

बता दें कि आईएमटी मानेसर की कई कंपनियों के कर्मचारियों ने प्रदेश सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम वेतन को मजाक बताते हुए बृहस्पतिवार की सुबह प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सेक्टर-4 स्थित रिचा ग्लोबल एक्सपोर्ट कंपनी के बाहर कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे थे।

इसी दौरान करीब 10.30 बजे कर्मचारियों ने कंपनी के अंदर घुसकर वहां खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़े। कंपनी की खिड़कियों व दरवाजों पर पथराव करते हुए शीशे तोड़ने के साथ ही एसी भी तोड़ दिए। इससे कंपनी को काफी नुकसान हुआ है। कंपनी प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर हंगामा कर रहे कर्मचारियों पर लाठीचार्ज किया। बताया ला रहा है कि सेक्टर-4 स्थित रिचा ग्लोबल प्लांट में हड़ताल कर रहे सैकड़ों कर्मचारियों को पुलिस ने गेट बंद कर घेर लिया था। मानेसर की डीसीपी प्रबीना पी. ने हंगामा के दौरान आईएमटी मानेसर के औद्योगिक क्षेत्र का जायजा लिया। जिन कंपनियों के बाहर हंगामा हुआ है, वहां पर पुलिसबल तैनात किया गया है और जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। औद्योगिक क्षेत्र में विभिन्न थानों के प्रभारियों सहित अन्य पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा एसीपी (पूर्व) धर्मबीर भी सेक्टर-4 स्थित रिचा ग्लोबल एक्सपोर्ट कंपनी पर हुए हंगामे को लेकर मौके पर पहुंचे थे।

पिछले कुछ दिनों से मानेसर के कुछ उद्योगों में श्रमिकों द्वारा वेतन वृद्धि की मांग को लेकर किए जाने वाले धरना-प्रदर्शन के बाद हरियाणा सरकार ने श्रमिकों के न्यूनतम वेतन वृद्धि की नोटिस जारी कर दी है। उद्यमियों को यह नोटिस दे दी गई हैं कि वे श्रमिकों को न्यूनतम वेतन को नए मजदूरी दर के अनुसार बढ़ाकर दें। उद्यमियों के अनुसार यह बगैर उनसे मशवरे के उन पर आरोपित आर्थिक बोझ है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को मिली जान से मारने की धमकी, अनुयायियों में हड़कंप

अतीक अहमद जैसा अंजाम भुगतने की चेतावनी, 'गौ माता-राष्ट्रमाता' अभियान के बीच बढ़ी सुरक्षा

बीपीएस न्यूज

वाराणसी। ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद उनके अनुयायियों में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि ज्योतिर्मठ के आधिकारिक नंबर पर धमकी भरे मैसेज और ऑडियो संदेश भेजे गए हैं, जिनमें उन्हें अतीक अहमद की तरह अंजाम भुगतने की चेतावनी दी गई है।

शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी संजय पांडेय के अनुसार, एक अप्रैल को लगातार संदेश भेजकर धमकाया गया। जब संबंधित नंबर को ब्लॉक कर दिया गया, तो 6 अप्रैल को वॉइस मेल के माध्यम से दो ऑडियो संदेश भेजे गए, जिनमें हत्या की धमकी दोहराई गई। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी इस प्रकार की धमकियां मिल चुकी हैं और इस बार मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि इन दिनों शंकराचार्य 'गौ माता-राष्ट्रमाता' अभियान चला रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य देशभर में गौ हत्या पर रोक लगाने के लिए जनजागरण करना है। इसी कड़ी में 3 मई से उत्तर प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 'गविष्ठी यात्रा' प्रस्तावित है। इस यात्रा के दौरान वे गौ रक्षा के साथ-साथ 'राम गौ धाम' निर्माण के लिए भी लोगों को जागरूक करेंगे। मीडिया प्रभारी का कहना है कि इस अभियान के चलते कुछ असामाजिक तत्व और सनातन विरोधी शक्तियां उन्हें निशाना बना रही हैं। उनका मानना है कि शंकराचार्य के बढ़ते प्रभाव और जनसमर्थन के कारण इस तरह की धमकियों का सिलसिला जारी है।

इधर, हाल ही में आशुतोष ब्रह्मचारी को भी जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया था, जिसमें विदेशी नंबर की भूमिका सामने आई थी। इस घटनाक्रम के बाद सुरक्षा एजेंसियां पहले से अधिक सतर्क हो गई हैं। फिलहाल, शंकराचार्य को मिली धमकियों को गंभीरता से लेते हुए उनकी सुरक्षा बढ़ाने और पूरे मामले की गहन जांच की तैयारी की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बारामती में उपचुनाव नड़ी लड़ेगी कांग्रेस, अजित पवार को श्रद्धांजलि के तौर पर लिया बड़ा फैसला

बीपीएस न्यूज

मुंबई । कांग्रेस ने बारामती उपचुनाव न लड़ने का फैसला किया है। यह निर्णय अजित पवार के निधन के बाद सम्मान जताने के तौर पर लिया गया है। पार्टी ने अपने उम्मीदवार को वापस लेने के निर्देश दिए हैं। अन्य दलों ने भी कांग्रेस से चुनाव न लड़ने की अपील की थी। हालांकि इस फैसले के बाद सजय राउत ने कांग्रेस को घेरा। आइए विस्तार से इस पूरे मामले को जानते हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर बड़ा मोड़ आया है। कांग्रेस ने एलान किया है कि वह इस उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। यह फैसला पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद सम्मान जताने के तौर पर लिया गया है। इस निर्णय के बाद अब बारामती सीट पर चुनाव का माहौल पूरी तरह बदल गया है।

दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नाथाला ने साफ कहा कि पार्टी ने अपने उम्मीदवार को मैदान से हटाने का निर्देश दे दिया है। कांग्रेस के उम्मीदवार आकाश मोरे ने नामांकन दाखिल किया था, लेकिन अब उसे वापस लिया जाएगा। नामांकन वापस लेने का आज आखिरी दिन था, इसलिए यह फैसला अहम माना जा रहा है।

क्यों लिया कांग्रेस ने चुनाव न लड़ने का फैसला?

कांग्रेस ने कहा कि यह उपचुनाव अजित पवार के दुखद निधन के कारण हो रहा है, इसलिए पार्टी ने सम्मान के तौर पर चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया। पार्टी का मानना है कि ऐसे समय में राजनीतिक मुकाबले से दूर रहना उचित है। यह कदम राजनीतिक मर्यादा और संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर उठाया गया है।

क्या अन्य दलों ने भी की थी अपील?

इस फैसले से पहले कई नेताओं ने कांग्रेस से चुनाव न लड़ने की अपील की थी। शरद पवार, सुप्रिया सुले और रोहित पवार समेत कई नेताओं ने कांग्रेस से उपचुनाव को निर्विरोध कराने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि यह चुनाव एक दुखद घटना के बाद हो रहा है, इसलिए इसे सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए।

क्या पहले विवाद भी हुआ था?

उपचुनाव को लेकर पहले माहौल थोड़ा तनावपूर्ण हो गया था। सुनेत्रा पवार के बेटे पार्थ पवार ने कांग्रेस पर उम्मीदवार उतारने को लेकर आलोचना की थी और पार्टी के भविष्य को लेकर बयान दिया था। इससे राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई थी, लेकिन अब कांग्रेस के फैसले से विवाद खत्म होने की उम्मीद है।

कांग्रेस के मैदान से हटने के बाद सुनेत्रा पवार का रास्ता आसान माना जा रहा है। अगर अन्य कोई बड़ा उम्मीदवार सामने नहीं आता, तो यह चुनाव लगभग निर्विरोध हो सकता है। बारामती सीट पर अजित पवार आठ बार विधायक रह चुके थे और यह क्षेत्र उनके राजनीतिक प्रभाव का गढ़ माना जाता है।

नीतीश जी पद से इस्तीफा दे देंगे, सीएम की कुर्सी छोड़ने को लेकर जदयू नेता बोले

बीपीएस न्यूज

पटना । जदयू नेता विजय चौधरी ने कहा कि नीतीश मॉडल के तहत बिहार ने जो ऊंचाइयां हासिल की हैं, जिनका अनुसरण अन्य राज्यों के लोग भी करते हैं, उसी दिशा में हम आगे बढ़ेंगे। हमें नीतीश कुमार की विरासत को आगे ले जाना है।दो दशक तक बिहार की कमान संभालने वाले सीएम नीतीश कुमार आज दिल्ली रवाना हो चुके हैं।

वह 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के तौर पर शपथ लेंगे। इसके बाद जल्द ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे का एलान कर देंगे। इस बीच उनकी पार्टी के नेता विजय चौधरी ने एक बयान दिया है।

विजय चौधरी ने कहा ने कहा कि राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने के बाद वह मुख्यमंत्री नीतीश जी पद से इस्तीफा दे देंगे। 2-3 दिन इंतजार कीजिए। पूरा एनडीए एक साथ यह कह रहा है। चाहे भाजपा के नेता हों या अन्य सहयोगी दलों के नेता हो, सब एक सुर में कह रहे हैं कि नीतीश कुमार ने बिहार में 20 वर्षों में जो काम किया है, उसे हम आगे बढ़ाएंगे। 'नीतीश मॉडल' के तहत बिहार ने जो ऊंचाइयां हासिल की हैं, जिनका अनुसरण अन्य राज्यों के लोग भी करते हैं, उसी दिशा में हम आगे बढ़ेंगे। हमें नीतीश कुमार की विरासत को आगे ले जाना है। उन्होंने आगे कहा कि

निशांत कुमार पहले ही पार्टी से जुड़ चुके हैं और वह पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

कल लेंगे राज्यसभा सदस्य की शपथ

गौरतलब है कि 20 साल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा से अपनी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। आज दोपहर वह दिल्ली रवाना हो गए थे। 10 अप्रैल को वह राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। सीएम नीतीश कुमार के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया है। इसके लिए सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। पटना एयरपोर्ट पर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि 10 अप्रैल को दोपहर सवा 12 बजे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का शपथ सांसद के रूप में सदन में होगा।

दिल्ली विधानसभा समेत कई इमारतों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा समेत कई सरकारी कार्यालयों को आज बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी ईमेल के जरिए आई। जिससे राजधानी में हड़कंप मच गया। दिल्ली विधानसभा समेत कई सरकारी कार्यालयों को बृहस्पतिवार को बम से उड़ाने की धमकी संबंधी ईमेल मिले। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया।

इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी में प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक सुरक्षा जांच शुरू की गई। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह ईमेल सुबह 8.14 बजे विधानसभा और दिल्ली सरकार के कार्यालयों से जुड़ी ईमेल आईडी सहित कई आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजे गए। इसमें दिन में अलग-अलग समय पर विधानसभा, सचिवालय, कुछ स्कूलों और एक मेट्रो स्टेशन पर संभावित विस्फोटों का जिक्र किया गया था।

बंगाल में तीसरी रैली: पीएम मोदी ने बीरभूम में भी फूंका बदलाव का बिगुल

कहा- टीएमसी राज में मां-माटी और मानुष परेशान

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीरभूम रैली में टीएमसी सरकार पर घुसपैठ, कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर घुसपैठियों और उनके मददगारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। पीएम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सम्मान के मुद्दे पर भी टीएमसी को घेरा और बदलाव का भी आह्वान किया।

पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री आज लगातार तीन रैली कर रहे हैं। हले पीएम मोदी ने हल्दिया की रैली संबोधित किया था। वहां उन्होंने जनता को विकास की गारंटी दी, जबकि आसनसोल में टीएमसी के %पापों% का हिसाब लेने की चेतावनी दी। वहीं, बीरभूम की रैली में भी उन्होंने टीएमसी पर बड़ा हमला बोला। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि बीरभूम की ऐतिहासिक धरती ने संथाल क्रांति को ऊर्जा दी थी।आज उसी बीरभूम में परिवर्तन की आंधी नजर आ रही है। मेरे सामने ये विशाल जनसागर परिवर्तन की घोषणा कर रहा है। साथियों, रवींद्र नाथ टेगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे। हर कोई भयमुक्त हो, लेकिन टीएमसी के गुंडाराज ने एकदम उल्टा कर दिया। ये हमेशा मां, माटी और मानुष की बात करते थें। लेकिन टीएमसी के राज में मां रो रही है। माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत है। डरा हुआ है। सहमा हुआ है। पीएम ने कहा कि यह स्थिति बदलने के लिए अब निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है।घुसपैठ पर क्या बोले पीएम मोदी?पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी का सिंडिकेट घुसपैठियों को फर्जी सरकारी दस्तावेज दिलाने में मदद कर रहा है। उनके मुताबिक यह सिर्फ राज्य नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है, तो घुसपैठ के खिलाफ विशेष जांच कराई जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि घुसपैठियों के हर मददगार की पहचान की जाएगी, चाहे वह कितना ही ताकतवर क्यों न हो। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोषियों को जेल भेजा जाएगा और घुसपैठियों को बाहर किया जाएगा।पीएम ने रामपुरहाट और मालदा की घटनाओं का जिक्र करते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि न्यायिक प्रक्रिया में लगे लोगों तक को डराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों को इस डर से मुक्ति दिलाना जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने आरजी कर दुष्कर्म मामले को भी उठाया। बता दें, भाजपा ने आरजी कर मामले की पीड़िता की मां को उम्मीदवार बनाया है। उन्हें पानीहाटी विधानसभा से टिकट दिया गया है।प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति के सम्मान के मुद्दे पर भी टीएमसी को घेरा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को उचित सम्मान देना हर सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन टीएमसी सरकार ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने इसे आदिवासी समाज और महिलाओं का अपमान बताया।

असम, केरला, पांडुचेरी में वोटिंग खत्म, ईवीएम में कैद हुई दिग्गजों की किस्मत, 4 मई को फैसला

असम। असम, केरल और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भारी मतदान के साथ मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई, जहाँ मतदाताओं ने नई सरकार के लिए अपना फैसला ईवीएम में दर्ज कर दिया है। सभी की निगाहें अब 4 मई को होने वाली वोटों की गिनती पर हैं, जो इन राज्यों में भाजपा, कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के राजनीतिक भविष्य को तय करेगी।असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 2026 विधानसभा चुनावों के लिए गुरुवार को मतदान खत्म हो गया है। शाम तक मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। वोटों की गिनती 4 मई को होनी है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, शाम 5 बजे तक असम में 84.42त्न, केरल में 75.01त्न और पुडुचेरी में 86.92त्न मतदान हुआ। असम में, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने जलुकबारी स्थित अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदान किया। वे राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार के रूप में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और यहीं से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके साथ उनकी पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा और उनके बच्चे भी थे। इससे पहले, उन्होंने गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की। जलुकबारी लगभग 25 वर्षों से सरमा का गढ़ रहा है। वे 2001 से इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जब उन्होंने असम गण परिषद के नेता भृगु कुमार फुकन को हराया था।

रोते-गिड़गिड़ाते रह गए व्यापारी, अरमानों पर लगी सील

- 40,000 लोगों की रोजी-रोटी नौ घंटे में छिन गई

बीपीएस न्यूज

मेरठ । सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख के बाद आवास एवं विकास परिषद ने मेरठ के शास्त्रीनगर के सेंट्रल मार्केट के 44 व्यावसायिक भवनों को सील कर दिया। दावा किया जाता है कि इस बाजार से प्रतिमाह 20 करोड़ रुपये का कारोबार होता था। भारी पुलिस बल और सात अलग-अलग टीमों के साथ चले अभियान के दौरान क्षेत्र में तनाव और आक्रोश देखा गया। मेरठ के शास्त्रीनगर सेंट्रल मार्केट के इतिहास में बुधवार का दिन एक काले अध्याय के रूप में दर्ज हो गया। महज 9 घंटे के भीतर प्रशासन ने 40 साल से बसे सपनों और लगभग 40 हजार लोगों की आजीविका पर सरकारी सील लगा दी। इस दौरान दुकानदार, स्कूल व अस्पताल संचालक अधिकारियों से गुहार लगाते रहे। रोते गिड़गिड़ाते रहे लेकिन अधिकारियों ने किसी की नहीं सुनी। सुबह 9 बजे से शुरू हुआ सीलिंग का अभियान शाम 6 बजे तक चला।

व्यापारियों ने मंगलवार रात 2 बजे तक बैठक कर सीलिंग रोकने की रणनीति बनाई थी। बुधवार सुबह 5 बजे से ही अलग-अलग पॉइंट्स पर व्यापारियों की तैनाती की गई थी लेकिन प्रशासन की तैयारी उनसे कहीं बड़ी थी।

पुलिस ने सुबह ही बैरिकेडिंग कर दी और चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात कर दी।

सुबह 8 बजे आवास विकास के अधिकारियों के दौरे के बाद 9 बजे एमपीजीएस गर्ल्स कॉलेज पर पहली सील लगाकर अभियान शुरू हुआ। सात टीमों ने एक साथ कार्रवाई शुरू की। रंगोली मंडप और सुधा हॉस्पिटल पर सील लगते ही व्यापारियों में हड़कंप मच गया।

गुरुद्वारा रोड पर सेंडफॉर्ड अस्पताल, अमेरिकन किड्स स्कूल को सील कर दिया गया। टीम जब डॉ. अशोक गर्ग के क्लीनिक पर पहुंची तो उन्होंने उपकरण निकालने के लिए समय मांगा। इधर दूसरी टीम ने 694/2 वर्धमान अस्पताल,

तमाम दुकानदार जिन्होंने दुकानें पीछे कर शटर भी लगा लिए थे उन्होंने भी खूब तर्क-वितर्क किए। व्यापारियों के परिवार की कई महिलाओं के आंसू तो थम नहीं रहे थे। कई छोटे दुकानदार हाथ जोड़े परिवार की रोजी-रोटी की दुहाई देते रहे लेकिन टीम ने एक नहीं सुनी।

श्रद्धालुओं से भरी नाव यमुना नदी में पलटी, 10 की हुई मौत, कई लापता

बीपीएस न्यूज

वृंदावन में यमुना नदी में एक नाव पलटने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग लापता हो गए। यह घटना वृंदावन कोतवाली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई। नाव में लगभग 25 लोग सवार थे। श्रृंगार घाट के पास हुई इस दुर्घटना में कई लोगों के डूबने की आशंका है। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और गोताखोरों की सहायता से राहत एवं बचाव अभियान जारी है।

दुर्घटनास्थल पर गोताखोर और स्थानीय पुलिस मौजूद हैं।इस दुर्घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। यह घटना श्रृंगार घाट के पास घटी, जहां स्टीमर अचानक अपना संतुलन खो बैठा और नदी में पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हादसा इतनी अचानक हुआ कि लोगों को संभलने या खुद को बचाने का मौका भी नहीं मिला। हादसे के बाद चारों ओर चीख-पुकार मच गई, क्योंकि नदी में गिरे लोग अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और कई लोगों को पानी से बाहर निकालने की कोशिश की।जिला मजिस्ट्रेट सीपी सिंह के अनुसार, इस हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई अन्य लापता बताए जा रहे हैं।

वृंदावन के श्रृंगार घाट के पास बचाव अभियान बिना किसी रुकावट के जारी है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और स्थानीय गोताखोरों की टीमें तलाशी अभियान चलाने के लिए पानी में उतर चुकी हैं। प्रशासन ने कहा है कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक सभी लापता व्यक्तियों को बचा नहीं लिया जाता।

दुर्घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा है, जहां परिवार के सदस्य अपने प्रियजनों के बारे में खबर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि केशी घाट के पास यमुना नदी के एक हिस्से में नाव डूब गई हैज अब तक 22 लोगों को पानी से बचाया जा चुका है। बचाए गए लोगों को एम्बुलेंस और आठ पुलिस वाहन (पीआरवी) की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। हम फिलहाल स्थिति का जायजा ले रहे हैं ताकि पता चल सके कि कितने लोग सुरक्षित हैं और कितने लोगों की जान गई हैज यहां एक पोंटून पुल है। चूंकि यह पुल जर्जर हालत में था, इसलिए एक एजेंसी पोंटूनों की मरम्मत का काम कर रही थी। आशंका है कि यह दुर्घटना इसी मरम्मत कार्य के दौरान हुई होगी।

डॉक्टर की सलाह के बिना आंखों पर आई ड्राप का इस्तेमाल करना पड़ सकता है भारी, हो जायें सावधान

अक्सर होता है कि कोई भी समस्या शरीर में आती हैं, तो हम सभी डॉक्टर को दिखाने से पहले मेडिकल स्टोर पर दवाई खरीद लेते हैं। जब भी आंखों में कोई तकलीफ होती है या फिर खुजली व जलन होती है, तो सीधे मेडिकल स्टोर पर जाकर आई ड्रॉप्स खरीद कर आंखों में डाल देते हैं, लेकिन क्या जानते हैं कि आई स्पेशलिस्ट एक्सपर्ट ने बताया है कि यह छोटी-सी आदत आपकी आंखों के लिए खतरनाक हो सकती है।

कोई भी लक्षण मामूली नहीं है

आंखों में होने वाली कोई भी समस्या एक जैसी नहीं होती है। खासतौर पर सामान्य एलर्जी, बैक्टीरियल या वायरल इन्फेक्शन हो सकता है या फिर ड्राई आई सिंड्रोम, कॉर्निया में चोट और 'ग्लूकोमा' जैसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है। सिर्फ ऊपर से लक्षण देखकर अपनी मर्जी से दवा लेने से असली बीमारी छिप सकती है और स्थिति आगे चलकर और भी ज्यादा जटिल हो सकती है।

स्टेरॉयड वाले आई ड्रॉप्स से बड़ा नुकसान

तुरंत राहत, पर छिपा हुआ खतरा- ये दवाइया आंखों की लाली और सूजन को जल्दी

कम कर देती हैं, जिससे रोगी को ऐसा महसूस होता है कि समस्या पूरी तरह ठीक हो गई है, जबकि अंदरूनी परेशानी अभी भी बनी रह सकती है।

गंभीर बीमारियों का खतरा- बिना डॉक्टर की निगरानी के इन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल करने से आंखों का दबाव बढ़ सकता है। यह 'ग्लूकोमा' और 'मोतियाबिंद' जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा उत्पन्न करती है।

इन्फेक्शन का बिगड़ना- यदि आपको आंख पहले से कोई इन्फेक्शन है और उस पर स्टेरॉयड डाल दिया जाए, तो वह इन्फेक्शन और भी भयंकर रुप ले लेगी।

एंटीबायोटिक और 'रेडनेस रिलीफ' ड्रॉप्स का सच

एंटीबायोटिक का गलत इस्तेमाल- हर बार आंख लाल होने या चिपचिपी होने का मतलब बैक्टीरियल इन्फेक्शन नहीं होता है। उदाहरण के तौर पर वायरल कंजंक्टिवाइटिस में एंटीबायोटिक बिल्कुल बेअसर होते हैं। इसका उपयोग न करें।

रेडनेस रिलीफ ड्रॉप्स- इस तरह की ड्रॉप्स आंखों की वाहिकाओं को सिकोड़ कर कुछ समय के लिए आराम देता है। इनका बार-बार इस्तेमाल करने से आंखों में और रिबाउंड रेडनेस और ड्राईनेस आ सकती है।

क्या लुब्रिकेटिंग ड्रॉप्स एकदम सेफ हैं?

कई लोग ÷आर्टिफिशियल टीयर्स÷ या लुब्रिकेटिंग आई ड्रॉप्स को बिल्कुल सेफ समझते हैं। लेकिन यदि आपको इनका उपयोग बार-बार करना पड़ रहा है तो नेत्र विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है। लगातार आंखों में सूखापन किसी छिपी हुई समस्या या बीमारी का संकेत भी हो सकता है। साथ ही, कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों को विशेष सतर्कता रखनी चाहिए, क्योंकि गलत प्रकार की ड्रॉप्स का इस्तेमाल कॉर्निया को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है।

भंडारे वाला सूजी का स्वादिस्ट हलवा बनाएं, हलवाई भी हो जाएंगे हैरान, झट से नोट करें आसान रेसिपी

भंडारे वाला सूजी का स्वादिस्ट हलवा बनाएं, हलवाई भी हो जाएंगे हैरानज. झट से नोट करें आसान रेसिपीअगर आपने कभी मंदिर या भंडारे का सूजी का हलवा खाया है,

तो आपको उसका स्वाद जरूर याद होगा, जो कि घी से भरा, खुशबूदार और बिल्कुल मुलायम होता है। बता दें कि अब आप वही स्वाद घर पर भी आसानी से बना सकते हैं, वो भी बिना किसी खास मेहनत के। तो चलिए जानते हैं सूजी का हलवा बनाने की सबसे आसान विधि-

सूजी का हलवा बनाने के लिए जरूरी सामग्री

1 कप सूजी
ड्ड कप घी
ङ से 1 कप चीनी
2 से 2ड्ड कप पानी
ड्ड छोटा चम्मच इलायची पाउडर
काजू और बादाम
1 बड़ा चम्मच किशमिश

सूजी का हलवा बनाने की विधि

सबसे पहले कढ़ाही में घी गर्म करें। अब इसमें सूजी डालें और मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए भूनें। सूजी को तब तक भूनें जब तक उसका रंग हल्का सुनहरा न हो जाए और उसमें से खुशबू आने लगे।

अब इसमें काजू, बादाम और किशमिश डालकर 1-2 मिनट तक हल्का भून लें। इससे हलवे का स्वाद और बढ़ जाएगा।

दूसरी तरफ एक बर्तन में पानी गर्म कर लें। अब धीरे-धीरे इस गर्म पानी को सूजी में डालें। फिर इसमें चीनी डालकर अच्छे से मिलाएं।

अब हलवे को धीमी आंच पर पकाएं और लगातार चलाते रहें ताकि गांठें न बनें। कुछ ही मिनटों में हलवा गाढ़ा होकर तैयार हो जाएगा।

आखिर में इलायची पाउडर डालकर अच्छे से मिलाएं पका भंडारे जैसा स्वादिष्ट सूजी का हलवा तैयार है।

अन्य टिप्स-

हलवे को ज्यादा स्वादिष्ट बनाने के लिए घी में कंजूसी न करें।

पानी हमेशा गर्म ही डालें, इससे हलवा स्मूद बनता है।

चाहें तो इसमें केसर या नारियल भी डाल सकते हैं।

अब आपको भंडारे जैसा सूजी का हलवा खाने के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं है। इस आसान रेसिपी की मदद से आप घर पर ही स्वादिष्ट और खुशबूदार हलवा बना सकते हैं।

मानवीय संवेदनाओं को उजागर करती शॉर्ट फिल्म 'मेरा वाला अलग है'

मित्रवृन्दा प्रोडक्शन हाउस की शॉर्ट फिल्म 'मेरा वाला अलग है' यूट्यूब चैनल पर लॉन्च कर दी गई है। लगभग अठारह मिनट की इस शॉर्ट फिल्म में भावनाओं, रिश्तों और यथार्थ का गहरा चित्रण किया गया है। फिल्म का निर्माण बबिता सहगल और मयूर पटेल ने किया है, जबकि इसका निर्देशन और लेखन नितीश कुमार ने किया है। सह निर्माता हर्षिका कोटिलिंगल है। यह फिल्म निर्देशक नितीश कुमार के करियर की दूसरी निर्देशित फिल्म है। इससे पहले वे अभिनय के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे हैं और अब निर्देशन के माध्यम से अपनी रचनात्मकता को एक नई दिशा दे रहे हैं।

इस फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में विशाल के, उर्मिला पाल और मुदित भारद्वाज नजर आते हैं, जिन्होंने अपने अभिनय से कहानी को जीवंत बना दिया है। फिल्म 'मेरा वाला अलग है' एक ऐसी कथा प्रस्तुत करती

है, जो आज के युवा वर्ग, विशेषकर युवतियों के जीवन से गहराई से जुड़ी हुई है। यह कहानी उन लड़कियों की मनःस्थिति को दर्शाती है, जो प्रेम और भावनाओं में बहकर वास्तविकता को नजरअंदाज कर देती हैं और ऐसे जाल में फंस जाती हैं, जहां से बाहर निकलना अत्यंत कठिन हो जाता है।

फिल्म इस बात पर जोर देती है कि जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय भावनाओं के बजाय समझदारी और विवेक से लेने चाहिए। इस फिल्म के माध्यम से मित्रवृन्दा प्रोडक्शन हाउस ने यह साबित किया है कि सीमित समय में भी एक प्रभावशाली और विचारोत्तेजक कहानी प्रस्तुत की जा सकती है। यह शॉर्ट फिल्म न केवल दर्शकों का मनोरंजन करती है, बल्कि उन्हें सोचने पर भी मजबूर करती है। अंततः, 'मेरा वाला अलग है' एक ऐसी प्रस्तुति है, जो भावनाओं, यथार्थ और सामाजिक चेतना का सुंदर संगम है। यह फिल्म विशेष रूप से युवाओं के लिए एक आईना है, जो उन्हें अपने निर्णयों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देती है।

प्रस्तुति- काली दास पाण्डेय

श्रीकृष्ण के महाप्रस्थान से कलियुग तक

श्रीकृष्ण के महाप्रस्थान और सृष्टि के नवसृजन के साथ वैदिक कालगणना की शुरुआत हुई। विक्रमी संवत इसी पावन दिन से स्थापित हुआ।

विक्रमी संवत 3045 वर्ष पूर्व अर्थात? 5127 साल पहले चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा का वह दिन जब युग अपना स्वरूप और नाम बदल रहा था। काल के गाल में समाते हुए द्वापर से नए युग का आगाज हो रहा था। यह वही समय था जब सागर किनारे की एक सभ्यता समुद्र में हिचकोले खा रही थी। समुद्र में उठ रही ऊंची लहरें एक सौंदर्य से पूर्ण नगरी को लील रही थी।

कलियुग का आगमन

सृष्टि रचना के 1,96,08,48000 वर्ष पूर्ण हो चुके थे। सातवें मन्वन्तर की 28वीं चतुर्युगी के द्वापर युग का अंत हो रहा था। उगते सूर्य की किरणें नए युग के आगमन का स्वागत कर रही थी। इसी को वर्तमान कलियुग के नाम से जानते हैं। कलियुग के वर्तमान काल तक 5127 वर्ष बीत चुके हैं। अनेक अव्यवस्थाओं के कारण हम अपनी जिस प्राचीन काल गणना को भूल चुके हैं, उसे पुनः स्मरण करने की आवश्यकता का अनुभव हो रहा है।

सृष्टि की आयु

मनुस्मृति के अनुसार सृष्टि की कुल आयु 4 अरब 32 करोड़ वर्ष है। इसे एक ब्रह्म दिवस कहते हैं, जिसमें एक हजार चतुर्युगी होती है। अर्थात? सृष्टि के आरम्भ से अंत तक सभी चारों युग एक-एक हजार बार आते हैं। इनको 14 मन्वन्तर में विभक्त किया गया है। इतने ही समय तक प्रलयकाल रहता है। इन दोनों की अवधि के योग को अहोरात्र कहा जाता है। ऐसे तीस अहोरात्रों को अहोमास, बारह अहोमास का अहोवर्ष तथा 100 वर्षों की गणना प्रान्तकाल कहलाती हैं।

श्रीकृष्ण का महाप्रस्थान

सृष्टि के 1,96,08,48000 वर्ष पूर्ण होने पर द्वापर और कलियुग का संध्याकाल था। भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र, पौत्र सहित यादवों का अवसान हो चुका था। उनके बड़े भाई बलराम चिर समाधि के लिए वन चल गए थे। वहां पहुंचकर श्रीकृष्ण ने उन्हें योग मुद्रा में अन्तिम हिजकी द्वारा प्राणों को त्यागते हुए देखा।

यह देखकर श्रीकृष्ण वन विहार करने लगे। अपने अन्तिम समय को निकट देखते हुए वह योगस्थ हो पीपल के पेड़ के नीचे लेट गए। इसी बीच एक बहेलिए ने किसी जानवर को निशाना बनाते हुए बाण छोड़ दिया। यह बाण श्रीकृष्ण के पांव के तलवे में जा लगा। इससे उनकी योगनिद्रा भंग हुई तो सामने बहेलिए को हाथ-जोड़े कांपते हुए देखा। इस पर भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें अभ्यदान देते हुए वहां से जाने को कहा और अपनी समस्त इंद्रियों तथा प्राणों को सिंकोड़कर ब्रह्मलोक को प्रस्थान कर गए। वह काल चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दोपहर 2 बजकर 27 मिनट 31 सेकिंड का था। जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण ने धरा का त्याग किया, वैसे ही द्वापर काल ने कलियुग में प्रवेश कर लिया।

युग परिवर्तन के साथ ही संवत और ऋतु बदल जाते हैं। इस कारण ऋषियों ने सभी त्योहारों को मनाने की व्यवस्था को ऋतु आधारित बनाया है। सनातन वैदिक धर्म में चैत्र और आश्विन माह के शुक्ल पक्ष में नवरात्र मनाए जाते हैं। इन दिनों मौसम समावस्था में होने के कारण गर्मी या सर्दी भी सम अवस्था में रहती हैं। प्रकृति अपना स्वरूप बदल रही होती है। इस कालखंड को नवरात्र कहा जाता है। नवरात्रों में विभिन्न यज्ञों के आयोजन करने की व्यवस्था दी है। नव दिनों तक 9 प्रकार के यज्ञ करते हुए दुर्गा अर्थात? प्रकृति माता के नवरूपों को स्पंदित किया जाता है। यह वही समय है जब ईश्वर ने सृष्टि रचना का कार्य आरम्भ किया और युगों एवं वर्षों की शुरुआत हुई थी। दक्षिण भारत में इसे 'उगादी' अर्थात? युगादी के नाम से जाना जाता है। यह दिन भारतीय नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। अतः वैदिक सनातन धर्म के अनुसार युग एवं काल गणना इसी नए संवत्सर के आरम्भ से होती है। भगवान श्रीकृष्ण के देहावसान के उपरान्त लगभग अढ़ाई हजार वर्ष तक देश में ठीक चलता रहा। उसके पश्चात अनेक विधर्मियों तथा विदेशी आक्रांताओं ने भारतीय संस्कृति को गंदला कर दिया। परन्तु 2083 वर्ष पहले भारत भूमि को आर्य शिरोमणी सम्राट विक्रमादित्य ने संवारने और सत्य सनातन वैदिक संस्कृति के पुनरुद्धार का प्रयास किया। शकों पर विजय प्राप्त कर उन्होंने इसी दिन चक्रवर्ती सम्राट का पद ग्रहण किया था। अतः यह संवत विक्रमादित्य के नाम अर्थात विक्रमी संवत से जाना जाने लगा।

सम्राट युधिष्ठिर ने भी इसी दिन हस्तिनापुर का साम्राज्य ग्रहण किया था। महर्षि दयानन्द ने आर्य समाज की स्थापना इसी दिन की थी। इस वर्ष यह संवत? 19 मार्च, 2026 को आरम्भ हो रहा है, जो ईसा से 57 वर्ष पहले होता है। इसी आधार पर भारतीय पंचाग भी तैयार किया जाता है।

कॉग्रेसियो ने असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर किया गया पुतला दहन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर महानगर कांग्रेस के तत्वाधान में बारादेवी चौराहा पर महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और पुतला जलाकर अपना विरोध दर्ज करवाया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रवक्ता पवन खेड़ा एवं अन्य कांग्रेस नेताओं के प्रति की गई अमर्यादित एवं अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में पुतला दहन कर जोरदार नारेबाजी की गई। पुलिस से छीनाझपटी हुई पर कांग्रेसजन पुतला जलाने में सफल रहे। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस अपने नेताओं के सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी और इस तरह की अमर्यादित भाषा का लोकतांत्रिक तरीके से कड़ा विरोध जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं द्वारा लगातार गिरती भाषा का प्रयोग लोकतंत्र के लिए घातक है, जिसे कांग्रेस कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

इस दौरान हरप्रकाश अग्निहोत्री, नरेश त्रिपाठी, प्रतिभा अटल पाल, राम नवल कुशवाहा, हरीश बाजपई, राम स्वरूप तिवारी, रमाकांत शर्मा, टिल्लू ठाकुर, डा.संतोष त्रिपाठी, अंजना आर्या, ओम तिवारी, अजय तिवारी, अजय श्रीवास्तव शीलू, धर्मेंद्र सिंह, जफर शाकिर मुन्ना, विजय त्रिवेदी, राजेश खन्ना, राम जी दुबे, प्रमोद गुप्ता, मुकेश दुबे, राम शंकर राय, रवि बाजपई, राजेश सविता, विजय शाह, अजय सिंह, अजीम अहमद, हिमांशु मिश्रा, नागेंद्र यादव, अजय त्रिपाठी, नीरज त्रिपाठी, बृजेश गुप्ता, दिनेश चौधरी, प्रवीण श्रीवास्तव, ध्रुव कुमार गौड़, वीरू चौरसिया, रामू पासवान, उमेश्वरी देवी आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर के नौबस्ता थाना क्षेत्र के कानपुर डिफेन्स फिजिकल एकेडमी में मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत गाकर किया गया। बड़ी संख्या में मौजूद एकेडमी की छात्राओं ने गर्मजोशी से भारत माता की जय वंदे मातरम के गगनभेदी नारे लगाए। एकेडमी डायरेक्टर सौरभ शुक्ला ने बताया कि विगत वर्षों में एकेडमी भारत के कई प्रदेशों से आए हजारों छात्र छात्राओं को विभिन्न सेवाओं में चयनित करा चुकी है।मिशन शक्ति इंचार्ज कीर्ति ने मौजूद बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और छेड़छाड़ जैसे महत्वपूर्ण विषयों भरोसा न करें और अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें, ताकि वे ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार न हों। नौबस्ता एसीपी ने अभियान के तहत, बालिकाओं और महिलाओं को विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों से भी अवगत कराया। इनमें 1090 (महिला हेल्पलाइन) 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) 181 (महिला सहायता), 112 (आपातकालीन सेवा) और 1930 (साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन) शामिल हैं।छात्राओं को बताया गया कि आपात स्थिति में इन नंबरों का उपयोग कर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सकती है। जागरूकता अभियान में मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीम की सदस्य सक्रिय रहीं। थाना प्रभारी नौबस्ता ने छात्राओं को विस्तार से जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक पर जागरूक किया। कार्यक्रम में बालिकाओं और महिलाओं को साइबर अपराधों तथा छेड़छाड़ के मामलों के प्रति सतर्क रहने की जानकारी दी गई। टीम ने इन विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की, जिससे वे संभावित खतरों से बच सकें। बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए, टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को विशेष रूप से आगाह किया। उन्हें बताया गया कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या लिंक पर किया। मिशन शक्ति टीम ने बालिकाओं को केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया, ताकि वे इनका लाभ उठा सकें और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें। हंसपुर चौकी इंचार्ज कौशल मिश्रा ने बताया कि मिशन शक्ति के पांचवें चरण के तहत ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।मुख्य उद्देश्य छात्राओं और महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना है। उन्होंने जोर दिया कि पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी समस्या पर तुरंत कार्रवाई की जाती है। इस दौरान मुख्य रूप से एकेडमी डायरेक्टर सौरभ शुक्ला ने आए हुए अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर किया।

आरक्षी आशीष बने यूपीपीसीएस 2024 में कॉमर्शियल टैक्स ऑफिसर अधिकारियों ने दी बधाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल एवं अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. विपिन ताडा द्वारा आरक्षी आशीष शुक्ला को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी गई तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।इस अवसर पर आईपीएस सुमित सुधारकर रामटेके भी उपस्थित रहे तथा उन्होंने भी आरक्षी आशीष शुक्ला को उनकी सफलता पर शुभकामनाएं प्रदान कीं।18वीं बैच के आरक्षी आशीष शुक्ला, जो वर्तमान में कमिश्नरेट कानपुर नगर में नियुक्त हैं तथा मूलतः शुक्ला बाजार, जनपद अमेठी के निवासी हैं, का चयन यूपीपीसीएस 2024 में कॉमर्शियल टैक्स ऑफिसर पद पर हुआ है।

पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध की गई कार्रवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा सुगम यातायात योजना ÷Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme" के प्रभावी क्रियान्वयन के क्रम में झकरकट्टी बस अड्डा-टाटमिल चौराहा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अनाधिकृत रूप से खड़ी

परिवहन निगम की लगभग 60 बसों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की गई।

इसके अतिरिक्त बिना निर्धारित कलर कोड के संचालित हो रहे 98 ऑटो एवं ई-रिक्शा के विरुद्ध भी प्रभावी कार्रवाई करते हुए चालान किए गए। साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 10 अन्य वाहनों के विरुद्ध भी चालान की कार्रवाई की गई तथा 03 वाहनों को सीज किया गया। इस प्रकार कुल 168 वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की गई।झकरकटी बस स्टैंड के बाहर अनधिकृत रूप से लगाए गए खाने-पीने के ठेले एवं अन्य अतिक्रमण को हटवाया गया, जिससे यातायात में हो रही बाधा को समाप्त कर आमजन को सुगम एवं निर्बाध आवागमन की सुविधा प्रदान की जा सके।

मौके पर एडीसीपी यातायात कपिल देव सिंह, यातायात निरीक्षक (पूर्वी जोन-प्रथम), थाना प्रभारी बाबू पुरवा एवं थाना प्रभारी रेल बाजार सहित अन्य पुलिस बल उपस्थित रहा।

राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना में आयु प्रमाण के लिए आधार कार्ड मान्य नहीं

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिला समाज कल्याण अधिकारी शिवम सागर ने बताया कि निदेशक, समाज कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या सी-2374 दिनांक 21 मार्च 2026 के माध्यम से शासन द्वारा महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। यह निर्देश भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश शासन के पूर्व में निर्गत पत्रों के क्रम में जारी किए गए हैं।जारी शासनादेश के अनुसार, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना में अब आवेदक की आयु निर्धारण के लिए आधार कार्ड में अंकित जन्मतिथि को मान्य नहीं माना जाएगा। इस संबंध में पूर्व शासनादेश में आंशिक संशोधन किया गया है।

अब योजना के अंतर्गत आवेदन करते समय आयु प्रमाण के रूप में निम्न में से किसी एक अभिलेख को अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा–

परिवार या कुटुम्ब रजिस्टर की प्रमाणित प्रति अथवा शैक्षिक योग्यता से संबंधित प्रमाण पत्र, जिसमें जन्मतिथि अंकित हो।उन्होंने बताया कि उपजिलाधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी केवल उन्हीं आवेदन पत्रों को अग्रसारित करेंगे, जिनमें उपरोक्त आवश्यक अभिलेख संलग्न होंगे। इसके अतिरिक्त, जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा भी भुगतान हेतु प्राप्त प्रतीक्षा सूची के आवेदन पत्रों का पुनः परीक्षण किया जाएगा।

यदि परीक्षण के दौरान आवश्यक अभिलेख संलग्न पाए जाते हैं, तो आवेदन पत्र को आगे की कार्यवाही के लिए अग्रसारित किया जाएगा। अन्यथा संबंधित आवेदन पत्र आवेदक को वापस कर दिए जाएंगे और आवश्यक अभिलेख संलग्न कर पुनः प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जाएंगे।

पुस्तकों के नाम और संस्करण बदलने से सबंधित जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शैक्षिक सत्र दर सत्र स्कूलों द्वारा पुस्तकों के नाम और संस्करण बदलने से अभिभावकों पर बढ़ते आर्थिक बोझ को लेकर एम. एल. फाउण्डेशन ट्रस्ट ने जिलाधिकारी कानपुर नगर को ज्ञापन सौंपा है। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित वर्मा ने बताया कि स्कूल हर साल नई किताबें अनिवार्य कर रहे हैं, जिससे पुरानी पूरी तरह उपयोगी किताबें बेकार हो जाती हैं और अभिभावकों को भारी आर्थिक दबाव झेलना पड़ता है

।ज्ञापन के माध्यम से कहा गया है कि यह प्रक्रिया न केवल संसाधनों की बर्बादी है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़ा करती है। ट्रस्ट ने मांग की है कि कम से कम 10 वर्षों तक पाठ्य पुस्तकों के नाम एवं संस्करण एक समान रखे जाएं। साथ ही, स्कूलों द्वारा निर्धारित पुस्तक सूची और मूल्यों की जांच के लिए एक निगरानी व्यवस्था स्थापित की जाए, ताकि अभिभावकों को महंगी निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए बाध्य न किया जाए। रोहित वर्मा ने बताया कि उन्होंने जिलाधिकारी से त्वरित कार्रवाई और

जनहित में आवश्यक आदेश जारी करने की अपील की है। ज्ञापन देने वालों में संस्था के पदाधिकारी शामिल रहे।

गौशालाओं के लिए 'भूसा बैंक' बनाने के निर्देश, स्वदेशी नस्ल संवर्धन पर जोर

एसीएस ने गोशालाओं का किया औचक निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अपर मुख्य सचिव पशुधन मुकेश मेश्राम ने कानपुर मंडल की मंडलीय समीक्षा बैठक में गौ संरक्षण एवं संवर्धन की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जनपदों में संचालित गौआश्रय स्थलों पर संरक्षित गोवंश के लिए वर्ष भर भूसे की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में 'भूसा बैंक' की स्थापना कर आवश्यक भंडारण व्यवस्था विकसित की जाए और प्रत्येक गौआश्रय स्थल पर प्रतिदिन प्रति पशु चार किलोग्राम भूसे के मानक के अनुसार वार्षिक आवश्यकता का आकलन कर समय से भूसा सुरक्षित किया जाए।

मंडलायुक्त शिविर कार्यालय स्थित सभागार में आयोजित बैठक में मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन सहित मण्डल के सभी जनपदों के मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, उपजिलाधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी तथा पशु चिकित्सा अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि गौआश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंश के लिए भूसा, हरा चारा, चोकर तथा स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण एवं टैगिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि जनपदों में उपलब्ध रिक्त अस्थायी गौआश्रय स्थलों का उपयोग भूसा भंडारण के लिए किया जाए तथा स्थानीय किसानों से समन्वय स्थापित कर वर्ष भर के लिए भूसा एवं हरे चारे की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इस कार्य में सीएसआर फंड तथा जनसहयोग से भी भूसा संग्रह कर 'भूसा बैंक' को सुदृढ़ बनाया जाए।

बैठक में स्वदेशी नस्ल की गायों के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी जोर दिया गया। उन्होंने निर्देशित किया कि गौशालाओं में प्रजनन योग्य गायों का चयन कर साहीवाल एवं गिर नस्ल

के सेक्स सॉर्टेड सीमेन के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान कराया जाए, जिससे उन्नत संतति उत्पन्न हो सके और स्वदेशी नस्लों को बढ़ावा मिले।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि गौशालाओं में एकत्रित गोबर का उपयोग कर जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, गोबर गैस प्लांट तथा अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार किए जाएं, जिससे गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण एवं संवर्धन को प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिकता दी जा रही है और सभी जनपदों में इस दिशा में प्रभावी कार्य सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर दीक्षा जैन, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुराग सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सिंह तथा परियोजना निदेशक आलोक सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक से पूर्व अपर मुख्य सचिव पशुधन मुकेश मेश्राम ने विकासखंड चौबेपुर के अस्थायी गौआश्रय स्थल पेम तथा विकासखंड कल्याणपुर के अस्थायी गौआश्रय स्थल होरा बांगर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशालाओं में व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए गौआश्रय स्थलों के सुधरीकरण तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए मौके पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कॉग्रेसियो ने कानपुर जिलाधिकारी से मिलकर अग्निकांड पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। फूलबाग क्षेत्र की दुकानों में केसा की लापरवाही के कारण लगी भीषण आग से कई परिवारों का जीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया। यह बात कहते हुए कानपुर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता ने पीड़ित परिवारों संग जिलाधिकारी से मुलाकात की और बताया कि केसा की लापरवाही के कारण अनेक दुकानदारों की आजीविका छिन गई और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। पीड़ित परिवारों को 10 लाख का मुआवजा सरकार दे।कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता और कानपुर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष नरेश चंद त्रिपाठी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी, कानपुर नगर से मुलाकात कर पीड़ित परिवारों की स्थिति से अवगत कराया। अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि पीड़ितों को 10 लाख रुपये मुआवजा दिया जाए। केसा की लापरवाही के कारण ये घटना हुई।कई परिवारों की बेटियों की शादी के लिए जमा की गई लगभग 20 से 25 लाख रुपये की नगद राशि जल गई तो कई का सामान, फल, सब्जी। लगभग 30 परिवार बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। शासन-प्रशासन का दायित्व है कि ऐसे संकट की घड़ी में पीड़ितों के साथ खड़ा होकर हर संभव सहायता प्रदान करे। उन्होंने यह भी कहा कि कानपुर महानगर कांग्रेस इस कठिन समय में सभी प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और उनके हक के लिए हर स्तर पर आवाज उठाती रहेगी।

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

कानपुर नगर के नौबस्ता थाना क्षेत्र के कानपुर डिफेन्स फिजिकल एकेडमी में मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत गाकर किया गया। बड़ी संख्या में मौजूद एकेडमी की छात्राओं ने गर्मजोशी से भारत माता की जय वंदे मातरम के गगनभेदी नारे लगाए। एकेडमी डायरेक्टर सौरभ शुक्ला ने बताया कि विगत वर्षों में एकेडमी भारत के कई प्रदेशों से आए हजारों छात्र छात्राओं को विभिन्न सेवाओं में चयनित करा चुकी है।

मिशन शक्ति इंचार्ज कीर्ति ने मौजूद बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और छेड़छाड़ जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। कार्यक्रम में बालिकाओं और महिलाओं को साइबर अपराधों तथा छेड़छाड़ के मामलों के प्रति सतर्क रहने की जानकारी दी गई। टीम ने इन विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की, जिससे वे संभावित खतरों से बच सकें। बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए, टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को

विशेष रूप से आगाह किया। उन्हें बताया गया कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें और अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें, ताकि वे ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार न हों। नौबस्ता एसीपी ने अभियान के तहत, बालिकाओं और महिलाओं को विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों से भी अवगत कराया। इनमें 1090 (महिला हेल्पलाइन) 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) 181 (महिला सहायता), 112 (आपातकालीन सेवा) और 1930 (साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन) शामिल हैं।छात्राओं को बताया गया कि आपात स्थिति में इन नंबरों का उपयोग कर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सकती है। जागरूकता अभियान में मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीम की सदस्य सक्रिय रहीं। थाना प्रभारी नौबस्ता ने छात्राओं को विस्तार से जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक किया। मिशन शक्ति टीम ने बालिकाओं को केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया, ताकि वे इनका लाभ उठा सकें और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें। हंसपुर चौकी इंचार्ज कौशल मिश्रा ने बताया कि मिशन शक्ति के पांचवें चरण के तहत ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।मुख्य उद्देश्य छात्राओं और महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना है। उन्होंने जोर दिया कि पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी समस्या पर तुरंत कार्रवाई की जाती है। इस दौरान मुख्य रूप से एकेडमी डायरेक्टर सौरभ शुक्ला ने आए हुए अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर किया।

आरटीसी योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही, तीन पुलिसकर्मी निलंबित

कानपुर। उत्तर प्रदेश में ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने के लिए चल रही %रिड्यूसिंग ट्रैफिक कंजेशन (आरटीसी) योजना के तहत कानपुर में पुलिस आयुक्त के निर्देशन में 14 प्रमुख मार्गों को चिन्हित किया गया है। इसी क्रम में गुरुवार को अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. विपिन ताडा ने यातायात प्रबंधन की स्थिति का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान पूर्वी जोन-द्वितीय के घंटाघर चौराहे पर लापरवाही पाए जाने पर तीन पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया। कार्रवाई की जद में आए पुलिसकर्मियों में जोन ट्रैफिक इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार सिंह, चौकी प्रभारी (सूतरखाना) सुमित कुमार और चौकी प्रभारी (नयागंज) कामेश राज शामिल हैं।पुलिस सूत्रों ने बताया कि पूर्व में भी अधिकारियों द्वारा घंटाघर चौराहे का कई बार निरीक्षण कर संबंधित पुलिसकर्मियों को ई-रिक्शा, ऑटो व अन्य वाहनों के अव्यवस्थित खड़े होने पर नियंत्रण, अतिक्रमण हटाने तथा वाहनों की सुव्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित कर जाम मुक्त व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए थे।

इसके बावजूद कर्तव्यों के निर्वहन में शिथिलता बरतने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। साथ ही अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को भी अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

डीएम ने एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों की री-पैकिंग पर सख्ती व 'सेफ फूड' अभियान चलाने के दिए निर्देश

अब से अजीनोमोटो व इंडस्ट्रियल रंग का इस्तेमाल किया तो होगी कार्रवाई

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। शहर में खाद्य पदार्थों की शुद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में 'सेफ फूड' अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों की शुद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि पैकेज्ड खाद्य सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। हाल के दिनों में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जिनमें शरारती तत्व पुराने, सड़े-गले या एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों को नई डेटिंग और पैकेजिंग के साथ बाजार में उतार रहे हैं। उन्होंने इस प्रकार की गतिविधियों पर विशेष सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही आम लोगों से अपील की कि यदि ऐसी कोई सूचना उनके संज्ञान में आती है तो वे सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा को इसकी जानकारी दें, जिससे दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

जिलाधिकारी ने जनता की कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए जागरूकता अभियान चलाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को यह बताया जाए कि कौन-से खाद्य पदार्थ शुद्ध हैं और कौन-से अशुद्ध, जिससे उपभोक्ता स्वयं भी सजग रह सकें और मिलावट के खिलाफ जागरूक भूमिका निभा सकें।बैठक में जिलाधिकारी ने खाद्य पदार्थों में अजीनोमोटो के गैर जिम्मेदाराना अतिशय

प्रयोग को नियंत्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, फिर भी कुछ खाद्य विक्रेताओं द्वारा इसका प्रयोग किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को ऐसे लोगों को चिन्हित कर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही फिंगर चिप्स, मोमो सॉस, बिरयानी सहित अन्य खाद्य पदार्थों में इंडस्ट्रियल उपयोग वाले रंगों के प्रयोग पर रोक सुनिश्चित करने को कहा गया।

रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव एवं समिति के सदस्य आरके सफ्फड़ ने सुझाव दिया कि हॉस्टलों और अस्पतालों की कैंटीन में बनने वाले भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग नियमित औचक निरीक्षण करे और स्वच्छता मानकों को बढ़ावा दे।

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन संजय सिंह ने बताया कि वर्ष 2025-26 में विभाग द्वारा 1237 छापे डाले गए तथा 1772 नमूनों का संग्रहण किया गया। इनमें से 633 नमूने अधोमानक, 80 असुरक्षित और 37 मिथ्याछाप पाए गए। उन्होंने बताया कि इस अवधि में दूध के 163 नमूनों का संग्रहण किया गया, जिनमें से 98 मानक के अनुरूप नहीं पाए गए। खोया, पनीर और मिठाइयों के 603 नमूने लिए गए, जिनमें 395 नमूने मानक के अनुरूप नहीं मिले। अन्य खाद्य पदार्थों के 1006 नमूने लिए गए, जिनमें से 257 नमूने मानक के अनुरूप नहीं पाए गए। इन मामलों में न्यायालय में 584 वाद दाखिल किए गए हैं।

उद्योग व्यापार मंडल की बैठक संपन्न

कानपुर। कानपुर उद्योग व्यापार मंडल (उत्तर) की एक महत्वपूर्ण बैठक हवेली रेस्टोरेंट, फजलगंज में जिला अध्यक्ष सुनील बजाज की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के विस्तार एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से अनुषांगिक इकाइयों युवा उद्योग व्यापार मंडल (उत्तर) एवं आईटी मंच (उत्तर) की औपचारिक घोषणा प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा एवं मंडल अध्यक्ष विजय पंडित जी की संस्तुति उपरांत की गई। युवा उद्योग व्यापार मंडल (उत्तर) के गठन के अंतर्गत निम्न पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। राहुल दीक्षित,जिला चेयरमैन, महेंद्र गुप्ता, जिला अध्यक्ष, मोहम्मद कामिल अंसारी जिला महामंत्री अमित दोसर जिला कोषाध्यक्ष, अंकित मिश्रा ऋतिक जिला सह-कोषाध्यक्ष इसी क्रम में आईटी मंच (उत्तर) के लिए निम्न पदाधिकारियों की घोषणा की गई।राम जी शुक्ला, जिला चेयरमैन, संदीप जैन जिलाध्यक्ष, गिरीश जायसवाल, जिला महामंत्री सचिन जैन, जिला कोषाध्यक्ष कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री कृपा शंकर त्रिवेदी द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से रामेश्वर गुप्ता (लाला), प्रदीप गुप्ता, नीरज दीक्षित, सत्य प्रकाश जायसवाल, संत मिश्रा, मुकेश भाटिया, अंबेश दयाल, सचिन शुक्ला, सरताज अहमद, विनय अरोड़ा, राजेश गुप्ता, सक्षम गुप्ता, सुशील गुप्ता, अभिषेक गौतम, अभिषेक सिंह, निशाल वर्मा, गुलशन जायसवाल, मोहम्मद समीम, सीताराम गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यापारी उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सुनील बजाज ने कहा कि युवा उद्योग व्यापार मंडल संगठन की ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है। जो व्यापारियों की समस्याओं के समाधान हेतु संघर्ष करेगा तथा शासन-प्रशासन में प्रभावी भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि युवा व्यापार मंडल एवं आईटी मंच की टीम का आगामी 15 दिनों के भीतर व्यापक विस्तार किया जाएगा। जिससे संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान की जा सके। सभी बाजार इकाईयों से प्रमुख प्रतिनिधियों को शामिल किया जायेगा।

संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत निरीक्षण व जागरूकता अभियान चलाया गया

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। जनपद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान, दस्तक अभियान तथा वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के तहत विभिन्न गतिविधियां संचालित की गईं।जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक प्रशांत कुमार वर्मा एवं डॉ. शिवकांत (रीजनल कोऑर्डिनेटर, पाथ) के नेतृत्व में ब्लॉक बिधनू क्षेत्र में अभियान के अंतर्गत निरीक्षण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधनू का निरीक्षण करते हुए लैब एवं डेंगू वार्ड की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान लैब टेक्नीशियन को निर्देशित किया गया कि ओपीडी में आने वाले सभी बुखार के मरीजों की अनिवार्य रूप से मलेरिया जांच कराई जाए तथा संक्रमित पाए जाने पर भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार तत्काल उपचार सुनिश्चित करते हुए 14 दिन का पूरा कोर्स कराया जाए।टीम द्वारा खेरसा ग्राम का भ्रमण कर घर-घर जाकर लोगों को संचारी एवं वेक्टर जनित रोगों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही गांव में साफ-सफाई की स्थिति का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।इसी क्रम में ब्लॉक भीतरगांव के ग्राम बारीगांव एवं वीरसिंहपुर में संयुक्त टीम द्वारा हॉटस्पॉट क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। बारीगांव में 169 घरों एवं 1361 जल पात्रों की जांच में 2 घर एवं 2 जल पात्र संक्रमित पाए गए, जिस पर कार्रवाई करते हुए एक नोटिस जारी किया गया। वहीं वीरसिंहपुर में 129 घरों एवं 1104 जल पात्रों की जांच में कोई भी मामला पॉजिटिव नहीं पाया गया।संयुक्त टीम में गौतम पुरवार, मंजीत यादव, दीपिका सिंह, आयुषी द्विवेदी (मलेरिया निरीक्षक), अवनीश सिंह (एसएफडब्ल्यू), अरविंद कुमार (आईएफडब्ल्यू) एवं अमृता यादव (वीवीडी कंसल्टेंट) शामिल रहे।निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि गांवों में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई तथा माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य किए जा रहे हैं। पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को जागरूक किया गया तथा पशु बाड़ों को आबादी से दूर रखने की सलाह दी गई। कृषि विभाग द्वारा स्क्रब टाइफस जैसी बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।अभियान के अंतर्गत सोर्स रिडक्शन, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, इंडोर स्पेस स्प्रे, लार्वीसाइडल स्प्रे एवं एंटोमोलॉजिकल सर्वेक्षण कराया गया। जनसामान्य से अपील की गई कि घरों एवं आसपास पानी जमा न होने दें, जलभराव वाले स्थानों पर आवश्यकतानुसार तेल का छिड़काव करें तथा मच्छर रोधी उपाय अपनाएं।संचारी रोगों से संबंधित सूचना एवं सहायता के लिए यूएचएम चिकित्सालय, परेड स्थित कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2333810 एवं 9335301096 तथा नगर निगम कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2526004 एवं 2526005 पर संपर्क किया जा सकता है। सूचना प्राप्त होने पर संबंधित क्षेत्र में तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

जब बड़े साहब फंसे जाम में, फिर क्या था चौकी प्रभारियों को फौरन किया लाइन हाजिर

» बीपीएस न्यूज़

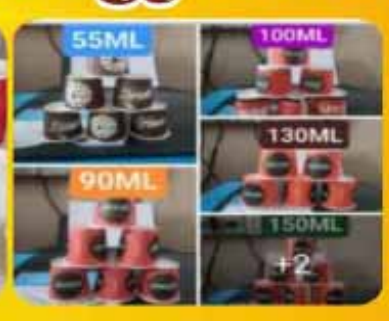

कानपुर। जाम की स्थिति से पूरा शहर जूझ रहा है। घंटाघर चौराहे पर भीषण जाम के बीच उस समय हड़कंप मच गया जब पुलिस कमिश्नर और जॉइंट पुलिस कमिश्नर खुद मौके पर फंस गए। हालात का जायजा लेने पर पता चला कि संबंधित चौकी प्रभारी अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय चौकी में बैठे थे।जब कारणों की जांच की गई तो पता चला कि जाम की स्थिति न

बनने पाय इसके लिए कोई नजर नही आये, नाराज़ होकर जॉइंट पुलिस कमिश्नर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चौकी प्रभारी सुतरखाना सुमित कुमार और चौकी प्रभारी नयागंज कामेश राज को लाइन हाज़िर कर दिया।यह हालत तब है, जब शहर में जाम की समस्या को लेकर उच्च अधिकारियों द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद लापरवाही सामने आने पर यह सख्त कदम उठाया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ड्यूटी में लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आगे भी ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।